दैनिक
मिशन नेशनल न्यूज
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े: www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-356 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार,सोमवार , 23 दिसंबर 2024

पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर, कुवैत ने की ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने की पहल

कुवैत सिटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खाड़ी देश कुवैत की दो दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा के दौरान रविवार को बयान पैलेस में गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया गया। यह सम्मान उन्हें कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के निमंत्रण पर उनकी यात्रा के दौरान दिया गया।

जानकारी के लिए बता दें कि पीएम मोदी बीते 43 वर्षों में कुवैत का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। इससे पहले, 1981 में इंदिरा गांधी ने कुवैत की यात्रा की थी। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैत के अमीर के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इन बैठकों में दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और ऊर्जा सहयोग जैसे क्षेत्रों

में संबंधों को और गहरा करने पर चर्चा हुई। यात्रा के दौरान कुछ महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है, जो भारत-कुवैत संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है कुवैत

कुवैत भारत के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। यह कच्चे तेल का छठा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। कुवैत भारत की ऊर्जा जरूरतों का लगभग 3फीसदी हिस्सा पूरा करता है।

भारतीय प्रवासियों की भूमिका

कुवैत में एक जीवंत भारतीय प्रवासी समुदाय है, जो दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक पुल का काम करता है। प्रधानमंत्री ने इस पर जोर देते हुए कहा कि भारत और कुवैत के संबंध इतिहास, संस्कृति, और आपसी सम्मान पर आधारित हैं।

इस दौरे के दौरान ही प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा, कि भारत और कुवैत के बीच बहुआयामी संबंध इतिहास, संस्कृति और आपसी सम्मान पर आधारित हैं। हमारे मजबूत संबंध ऊर्जा, व्यापार और निवेश तक फैले हुए हैं। हमारे पास जीवंत भारतीय प्रवासी भी हैं जो दोस्ती को और मजबूत कर रहे हैं।

पीएम मोदी की इस यात्रा से भारत और कुवैत के बीच कूटनीतिक और व्यापारिक संबंधों में नए आयाम जुड़ने की उम्मीद है। यह यात्रा न केवल ऊर्जा और व्यापार में सहयोग बढ़ाने का अवसर है, बल्कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को भी और गहरा करेगी।

अमेरिकी फाइटर जेट पर किसने दाग दी मिसाइल

जेट के पायलट सुरक्षित निकले

वॉशिंगटन

अमेरिकी फाइटर जेट पर मिसाइल से हमला हुआ, लेकिन राहत की बात यह रही कि जेट के दोनों ही पायलट सुरक्षित बच निकले। सवाल यह हो रहा है कि आखिर अमेरिकी फाइटर जेट पर हमला किया किसने? आखिर किसकी इतनी हिम्मत हो गई कि यूं हवा में हमले करने लगा है?

ऐसे में जवाब के तौर पर खुलासा किया जा रहा, कि रविवार को अमेरिकी नौसेना की एक दुर्लभ गलती के चलते ही उसके ही एफ/ए-18 फाइटर जेट को निशाना बनाया गया है। यह घटना लाल सागर में यमन के हूती विद्रोहियों पर एयरस्ट्राइक के दौरान हुई। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। इनमें से एक को मामूली चोटें आई हैं।

इस घटना की जानकारी देते हुए अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया, कि यह हादसा गलती से हुआ। यूएसएस हैरी एस. ट्रूमन एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भरने वाले फाइटर जेट पर यूएसएस गेटिसबर्ग मिसाइल क्रूजर ने गलती से हमला कर दिया। यहां बताते चलें कि यूएसएस गेटिसबर्ग एक गाइडेड मिसाइल क्रूजर है, जिसे दुश्मन के विमानों और मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने के लिए तैनात किया गया है।

हूती विद्रोहियों पर अमेरिका की एयरस्ट्राइक

अमेरिकी सेना ने शनिवार देर रात यमन की राजधानी सना में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमला किया था। इन हमलों में विद्रोहियों के मिसाइल स्टोरेज और कमांड सेंटर को निशाना बनाया गया था।

अमेरिकी नौसेना ने बताया कि ये हमले दक्षिणी लाल सागर, बाब अल-मन्देब और अदन की खाड़ी में अमेरिकी युद्धपोतों और कार्गो शिप्स पर हूती विद्रोहियों के हमलों को रोकने के लिए किए गए हैं। सेना ने यह भी जानकारी दी कि उन्होंने हूतियों के कई ड्रोन और एक क्रूज मिसाइल को मार गिराया है।

हमलों में आई तेजी से उठे सवाल

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड जारी, कई राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली

दिल्ली, यूपी समेत उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। आने वाले दिनों में गलन वाली ठंड पड़ेगी। आंधी-तूफान और बारिश से 9 राज्यों में असर, 12 राज्यों में शीतलहर-कोहरे का अलर्ट देशभर में कड़ाके की ठंड का कहर जारी है। कहीं माइनस में तापमान गिर गया है तो कहीं शीतलहर से लोग कांप रहे हैं। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला में हाल ही में लैंडस्लाइड (भूस्खलन) हुआ जिससे नेशनल हाईवे ब्लॉक हो गया। यूपी में 26 से 28 दिसंबर के बीच बारिश होगी तो वहीं दिल्ली में 23 दिसंबर को हल्की बारिश की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा, 26 और 27 को भी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने बताया है कि 27 और 28 दिसंबर को पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश में बारिश और आंधी तूफान की आशंका है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में में तापमान 0 डिग्री के नीचे बना हुआ है। हिमाचल में आज बर्फबारी का भी अलर्ट जारी किया गया है। इससे तापमान में और भी ज्यादा गिरावट हो सकती है। पंजाब-हरियाणा

में भी शीतलहर के कारण तापमान में गिरावट दर्ज हुई। चंडीगढ़ में तापमान 0.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पंजाब के आदमपुर इलाके में पारा 1.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने बताया है कि उत्तर पश्चिम भारत के पहाड़ी राज्यों के साथ-साथ मैदानी इलाकों में भी बारिश होगी। इसके अलावा, मध्य भारत के राज्यों में भी 27 और 28 दिसंबर को बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, हिमाचल प्रदेश के स्थानीय मौसम विभाग ने शीत लहर की चेतावनी जारी की और 23 और 24 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी बर्फबारी और बारिश की आशंका जताई और 27 दिसंबर को कई स्थानों पर भारी बर्फबारी और बारिश की आशंका जताई है। ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर और मंडी में 24 दिसंबर तक कुछ स्थानों पर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अतिरिक्त, चंबा, कांगड़ा और कुल्लू में 25 दिसंबर तक शीत लहर और जमीनी पाले पड़ने की चेतावनी जारी की है। स्थानीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक भाखड़ा बांध और बल्ह घाटी के जलाशय क्षेत्र के कुछ हिस्सों में सुबह और देर रात घना कोहरा छाने की संभावना है। वहीं, राजस्थान के कई हिस्सों में भी घना कोहरा और कड़ाके की ठंड रिकॉर्ड की है। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि सीकर में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस, पिलानी में 5.4 डिग्री सेल्सियस, गंगानगर में 6.1 डिग्री सेल्सियस और नागौर और चूरू में 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 23 और 24 दिसंबर को राजस्थान के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश और बादल छाए रहने की संभावना है। 26 और 27 दिसंबर को एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है और राज्य के कुछ हिस्सों में गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

चुनाव नियमों में बदलाव को खड़गे ने बताया केंद्र सरकार का संविधान और लोकतंत्र पर हमला

नई दिल्ली,

। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनाव नियमों में संशोधन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने इसे चुनाव आयोग की निष्पक्षता और लोकतंत्र को कमजोर करने की एक सोची-समझी साजिश करार दिया। खड़गे ने केंद्र सरकार पर चुनाव आयोग की स्वतंत्रता खत्म करने का आरोप लगाते हुए इसे संविधान और लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को चुनाव आयोग की सिफारिश पर चुनाव नियम, 1961 में संशोधन किया है। इसके तहत सीसीटीवी फुटेज, वेबकास्टिंग, और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों को सार्वजनिक

निरीक्षण से बाहर रखा गया है। केंद्र का तर्क है कि यह कदम इन दस्तावेजों के दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि चुनाव नियमों में संशोधन भारत के चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता को नष्ट करने की एक व्यवस्थित साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पहले मोदी सरकार ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित चयन पैनल से मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया था, और अब हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद चुनावी जानकारी को सार्वजनिक करने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस की आपत्तियां

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवालः खड़गे ने कहा कि जब भी कांग्रेस ने चुनाव में अनियमितताओं, मतदाता सूची से नाम हटाने, और ईवीएम की पारदर्शिता को लेकर शिकायत की, चुनाव आयोग ने उन्हें खारिज कर दिया।

संविधान पर हमलाः उन्होंने कहा कि यह कदम चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को कमजोर कर संविधान और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

रूल 93 का उल्लंघनः खड़गे ने बताया कि चुनाव से जुड़े सभी कागजात सार्वजनिक निरीक्षण के लिए उपलब्ध होने चाहिए। हालांकि, नए नियमों के तहत इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को इससे बाहर रखा गया है।

खड़गे ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि यह संशोधन लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर हमला है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सरकार का पक्ष

केंद्र सरकार का कहना है कि यह संशोधन चुनावी दस्तावेजों के दुरुपयोग को रोकने के लिए किया गया है और यह पारदर्शिता को प्रभावित नहीं करेगा।

राजनीतिक विवाद की शुरूआत

चुनाव नियमों में यह बदलाव एक नई बहस को जन्म दे चुका है। जहां सरकार इसे एक सुधार के रूप में देख रही है, वहीं विपक्ष इसे लोकतंत्र पर खतरा मान रहा है। आगामी चुनावों में यह मुद्दा राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन सकता है।

संपादकीय

जश्न में फायरिंग

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि विवाह आदि खुशी के मौके पर जानलेवा फायरिंग से मातम का माहौल बनने की तमाम घटनाओं के बावजूद इस बुराई पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। विगत में ऐसी अनेक घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई और परिवारों के लिये जीवनभर का दुख छोड़ गए। इस बाबत कई बार अदालतों ने सख्त टिप्पणियां की और सामाजिक स्तर पर भी आवाजें उठी। लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात ही रहे। पिछले महीने पंजाब और हरियाणा में ऐसी ही तीन दर्दनाक घटनाएं इस आत्मघाती लापरवाही से सामने आई। जो इस घातक प्रथा के गंभीर परिणामों को ही उजागर करती हैं। ऐसी ही एक घटना में हरियाणा के चरखी दादरी इलाके में एक बारात के दौरान तेरह साल की एक किशोरी की दर्दनाक मौत हर्ष फायरिंग में हो गई। साथ ही उसकी मां भी गंभीर रूप से घायल हो गई। ऐसे ही एक अन्य वाकये में फिरोजपुर में, एक दुल्हन तब गंभीर रूप से घायल हो गई, जब उसके भाई ने विदाई समारोह के दौरान लापरवाही से पिस्तौल चला दी। वहीं दूसरी ओर अमृतसर में ऐसी ही एक घटना सामने आई जब एक रिसॉर्ट में आयोजित विवाह समारोह में एक महिला हर्ष फायरिंग से घायल हो गई। निश्चित रूप से संवेदनहीनता से उपजी त्रासदियों को रोकने के लिये तत्काल कार्रवाई की जरूरत महसूस की जा रही है। यकीनी तौर पर इस कुप्रथा को रोकने के लिये जो गंभीर पहल समाज की ओर से होनी चाहिए, वह होती नजर नहीं आ रही है। इन हालात में एक आशा की किरण तब जगी जब सर्वजातीय अठगामा खाप ने जश्न के दौरान होने वाली हर्ष फायरिंग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय सामाजिक स्तर पर लिया। निश्चित रूप से खाप पंचायत का यह निर्णय स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। उसने चरखी दादरी की दुर्घटना में किशोरी की मौत के बाद यह प्रतिबंध लगाया है। निस्संदेह, खाप पंचायत की ओर से इस बुराई को दूर करने की यह कोशिश उसके सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता को ही उजागर करती है। खाप ने फैसला लिया है कि ऐसी दुर्घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवायी जाएगी। उस व्यक्ति या परिवार पर जुमार्ना लगाया जाएगा। ऐसी घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति का सामाजिक बहिष्कार भी होगा। वक्त की नजाकत को समझते हुए लिया गया खाप का यह फैसला इस खतरनाक परिपाटी के खिलाफ शून्य सहिष्णुता को ही दशार्ता है। इस जानलेवा फायरिंग के खतरों को महसूस करते हुए जागरूकता अभियान चलाने का फैसला भी खाप की ओर से लिया गया, ताकि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने हेतु ठोस पहल की जा सके। निस्संदेह, समाज में इस घातक दिखावे की सोच बदलने हेतु खाप की रचनात्मक पहल से शादियों व अन्य खुशी के अवसरों पर बंदूकों के दुरुपयोग की प्रवृत्ति को खत्म किया जा सकेगा। उम्मीद करें कि पंजाब व हरियाणा में विभिन्न सामाजिक संगठनों को इस घातक प्रथा को समाप्त करने के खाप के सामूहिक संकल्प से प्रेरणा मिलेगी। बेहतर हो कि खाप की पहल का अनुपालन हो। हालांकि, सामाजिक स्तर पर यह जमीनी प्रयास महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को भी इस मामले में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। हालांकि, सुप्रीम व हाईकोर्ट बार-बार जश्न मनाने में गोलीबारी की अवैधता व खतरों की ओर ध्यान दिलाते रहते हैं। साथ ही इसे जीवन के प्रति लापरवाही से उपजा खतरा बताते रहे हैं। बल्कि यहां तक कि कोर्ट ने ऐसे कृत्यों में गैर इरादतन हत्या की कोशिश के रूप में कार्रवाई किये जाने की भी बात कही है। वहीं दूसरी ओर बंदूक से जुड़े नियमों को भी सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही कानूनों के उल्लंघनकताओं के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अतिरक्त बंदूक लाइसेंसिंग मानदंडों के अतिक्रमण के मामलों को रोकने के लिये सुरक्षा प्रोटोकॉल की शिक्षा दी जानी अनिवार्य की जानी चाहिए। लोगों को जागरूक होकर यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी उत्सव में हर्ष फायरिंग जैसी त्रासदियों की छाया से मुक्त होकर खुशियों के पल बरकरार रहें।

(चिंतन-मनन)

अपने अंदर रहना ही ध्यान

जब हम दुखी होते हैं तो लगता है समय बहुत लम्बा है। जब प्रसन्न होते हैं तो समय का अनुभव नहीं होता है। तो प्रसन्नता या आनन्द क्या है? यह हमारी स्वयं की आत्मा है। यही आत्मतत्व शिव तत्व है या शिव का सिद्धांत है। प्रायः हम जब भगवान की बात करते हैं तो प्रत्येक व्यक्ति तुरन्त ऊपर की ओर देखता है। पर ऊपर कुछ नहीं है। प्रत्येक वस्तु हमारे अन्दर है। अन्दर की तरफ देखना या अपने अन्दर रहना ही ध्यान है। जब तुम अपने किसी नजदीकी व्यक्ति, अपने मित्र या किसी अन्य की तरफ देखते हो तो तुम्हें क्या लगता है? तुम्हारे अन्दर कुछ-कुछ होता है। तुम्हें ऐसा अनुभव होता है कि कोई नई ऊर्जा तुम्हारे अन्दर से होकर प्रवाहित हो रही है। उन महान क्षणों को पकड़ो। यह वही महान क्षण हैं, जो समयशून्य क्षण होते हैं।

ईश्वर ने तुमको दुनिया में सभी छोटे-मोटे सुख व आनन्द दिया है, लेकिन चरम आनन्द अपने पास रखा है। उस चरम आनन्द को प्राप्त करने के लिए तुम्हें उस ईश्वर और केवल ईश्वर के पास ही जाना होगा। अपने प्रयासों में निष्ठा रखो। जब तुम इस चरम आनन्द को प्राप्त करते हो तो बाकी प्रत्येक वस्तुएं आनन्दमय हो जाती हैं। ईश्वर को अच्छा समय दो, इससे तुम पुरस्कृत होगे।

भारत में बुजुर्ग आबादी की समस्याएँ

–डॉ. सत्यवान सौरभ–

भारत की आबादी में वरिष्ठ नागरिकों का प्रतिशत हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ रहा है और यह प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है, ऐसा संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव के अनुसार है। कम आय या गरीबी को बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार से जुड़ा पाया गया है। कम आर्थिक संसाधनों को बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार में योगदान देने वाले एक प्रासंगिक या परिस्थितिजन्य तनाव के रूप में माना जाता है। बैंक जमा पर लगातार गिरती ब्याज दरों के कारण, अधिकांश मध्यम वर्ग के बुजुर्ग वास्तव में खुद को बनाए रखने के लिए बुजुर्ग पेंशन पर निर्भर हैं।

भारत में, 74% बुजुर्ग पुरुष और 41% बुजुर्ग महिलाओं को कुछ व्यक्तिगत आय प्राप्त होती है, जबकि 43% बुजुर्ग आबादी कुछ भी नहीं कमाती है। व्यक्तिगत आय प्राप्त करने वाले 22% बुजुर्ग भारतीयों को प्रति वर्ष 12, 000 रुपये से कम मिलता है। जैसे-जैसे बुजुर्ग लोग काम करना बंद कर देते हैं और उनकी स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतें बढ़ती जाती हैं, सरकारें अभूतपूर्व लागतों से अभिभूत हो सकती हैं। हालांकि कुछ देशों में जनसंख्या की उम्र बढ़ने के बारे में आशावादी होने का कारण हो सकता है, लेकिन प्यू सर्वेक्षण से पता चलता है कि जापान, इटली और रूस जैसे देशों के निवासी बुढ़ापे में पर्याप्त जीवन स्तर प्राप्त करने के बारे में सबसे कम आश्वस्त हैं। एनजीओ हेल्पएज इंडिया द्वारा किए गए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण से पता चला है कि 47% बुजुर्ग लोग आय के लिए आर्थिक रूप से अपने परिवारों पर निर्भर हैं और 34% पेंशन और नकद हस्तांतरण पर निर्भर हैं, जबकि सर्वेक्षण में शामिल 40% लोगों ने ₹जितना संभव हो सके₹ काम करने की इच्छा व्यक्त की है। भारत में पाँच में से एक बुजुर्ग व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याओं से ग्रस्त है। उनमें से लगभग 75 प्रतिशत किसी पुरानी बीमारी से पीड़ित हैं और 40 प्रतिशत को कोई अन्य विकलांगता है। ये 2021 में लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया के निष्कर्ष हैं। वृद्ध लोग शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली की उम्र बढ़ने के कारण अपक्षयी और संचारी दोनों तरह की बीमारियों से पीड़ित होते हैं। रुग्णता के प्रमुख कारण संक्रमण हैं, जबकि दृष्टि दोष, चलने, चबाने, सुनने में कठिनाई, ऑस्टियोपोरोसिस, गठिया और असंयम अन्य सामान्य स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याएँ हैं। किफायती नर्सिंग होम या सहायता प्राप्त रहने वाले केंद्रों की जरूरत वाले बीमार और कमजोर बुजुर्गों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है। ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों में वृद्धावस्था देखभाल सुविधाओं का अभाव। हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार, 30% से 50% बुजुर्ग लोगों में ऐसे लक्षण थे जो उन्हें उदास कर देते थे। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में से ज्यादातर महिलाएँ हैं, खास तौर पर विधवाएँ। अवसाद का गरीबी, खराब स्वास्थ्य और अकेलेपन से गहरा सम्बंध है। वयस्कों के औपचारिक नौकरियों में और बच्चों के स्कूल की गतिविधियों में व्यस्त होने के कारण, बुजुर्गों की देखभाल करने के लिए घर पर कोई नहीं रहता। पड़ोसियों के बीच सम्बंध ग्रामीण क्षेत्रों की तरह मजबूत नहीं हैं। आर्थिक तंगी उन्हें रचनात्मकता को आगे बढ़ाने की अनुमति नहीं देती। परिवार के सदस्यों की उपेक्षा के कारण कई लोग बच्चों के साथ रहने के बजाय डे केयर सेंटर और वृद्धाश्रम को प्राथमिकता देते हैं।

बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार एक बढ़ती हुई अंतरराष्ट्रीय समस्या है जिसकी विभिन्न देशों और संस्कृतियों में कई अभिव्यक्तियाँ हैं। यह मानवाधिकारों का एक मौलिक उल्लंघन है और इससे कई स्वास्थ्य और भावनात्मक समस्याएँ पैदा होती हैं। दुर्व्यवहार को शारीरिक, यौन, मनोवैज्ञानिक या वित्तीय के रूप में वगीर्कृत किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, बुजुर्ग महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों के बीच दुर्व्यवहार अपेक्षाकृत अधिक होता है। लगभग आधे बुजुर्ग दुखी और उपेक्षित महसूस करते हैं; 36 प्रतिशत को लगता है कि वे परिवार के लिए बोझ हैं। मौखिक या भावनात्मक दुर्व्यवहार से होने वाली भावनात्मक क्षति में यातना, दुख, भय, विकृत भावनात्मक असुविधा और व्यक्तिगत गौरव या संप्रभुता की हानि शामिल है। सामाजिक-सांस्कृतिक स्तर पर, वृद्ध व्यक्ति को कमजोर और आश्रित के रूप में प्रस्तुत करना, देखभाल के लिए पैसे की कमी, सहायता की जरूरत वाले बुजुर्ग लोग जो अकेले रहते हैं और परिवार की पीढ़ियों के बीच सम्बंधों का टूटना, बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के संभावित कारक हैं। आर्थिक समस्याओं के कारण निम्न जाति के बुजुर्गों को बुढ़ापे में भी आजीविका के लिए काम करना पड़ता है।

हालांकि यह मुश्किल है, लेकिन यह उन्हें सक्रिय रखता है, आत्म-सम्मान की भावना बनाए रखता है और परिवार से सम्मान प्राप्त करता है। जबकि उच्च जाति के बुजुर्गों के लिए, अच्छी नौकरियाँ कम उपलब्ध होती हैं और वे छोटी-मोटी नौकरियाँ करने में संकोच करते हैं। यह उन्हें बेरोजगार बनाता है, इसलिए 'बेकार' होने की भावना और निराशा पैदा होती है। जीवनसाथी के अलावा घर के कई सदस्यों के साथ रहना दुर्व्यवहार, विशेष रूप से वित्तीय दुर्व्यवहार के बढ़ते जोखिम से जुड़ा है। अधिकांश वरिष्ठ नागरिकों को उपलब्ध आवास उनकी आवश्यकताओं के लिए अनुपयुक्त और अनुपयुक्त पाया जा सकता है। उन्हें जीवन भर लिंग आधारित भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उम्र बढ़ने की लिंग आधारित प्रकृति ऐसी है कि सार्वभौमिक रूप से, महिलाएँ पुरुषों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहती हैं। 80 वर्ष या उससे अधिक की आयु में, विधवापन महिलाओं की स्थिति पर हावी हो जाता है, 71 प्रतिशत महिलाओं और केवल 29 प्रतिशत पुरुषों ने अपने जीवनसाथी को खो दिया है। सामाजिक रीति-रिवाज महिलाओं को दोबारा शादी करने से रोकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं के अकेले रहने की संभावना बढ़ जाती है। विधवा का जीवन कठोर नैतिक संहिताओं से भरा होता है, जिसमें अभिन्न अधिकारों का त्याग किया जाता है और स्वतंत्रता को दरकिनार किया जाता है। सामाजिक पूर्वाग्रह के परिणामस्वरूप अक्सर संसाधनों का अनुचित आवंटन, उपेक्षा, दुर्व्यवहार, शोषण, लिंग आधारित हिंसा, बुनियादी सेवाओं तक पहुँच की कमी और संपत्तियों के स्वामित्व को रोकना होता है। कम साक्षरता और जागरूकता के स्तर के कारण वृद्ध महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से बाहर रखे जाने की अधिक संभावना है।

चीर के जमीन को मैं उम्मीद बोता हूँ मैं किसान हूँ

–निमिषा सिंह–

आज का मेरा यह लेख बदलते मौसम जीवन और मृत्यु के चक्र और प्रकृति के खिलाफ निरंतर संघर्ष को झेलने वाले हमारे उन गुमनाम नायकों को समर्पित है जिनकी खुशियाँ सरल हैं -अच्छा मानसून भरपूर फसल और अपने बच्चों के चेहरे पर मुस्कान हालांकि उनके दुख गहरे हैं - बंजर खेत और बढ़ता कर्ज। राष्ट्रीय किसान दिवस यानी एक ऐसे राजनीतिक व्यक्तित्व की जयंती का दिन जिन्होंने भारतीय राजनीति के जाने कितने ही बड़े संवैधानिक पदों पर रहकर ये दिखा गया कि कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति के जीवन में कैसै बदलाव लाया जा सकता है। जी हां मैं बात कर रही हूं किसानों के मसीहा कहे जाने वाले भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जिन्होंने 1979 से 1980 तक के अपने कार्यकाल के दौरान ना केवल किसानों की स्थिति में सुधार लाने का प्रयास किया बल्कि देश की कृषि नीतियों को आकार देने में बेहद अहम भूमिका निभाई और कई कल्याणकारी कार्यक्रम विकसित किए। भारत की ग्रामीण आबादी का अधिकांश हिस्सा जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 20% हिस्सा है अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है जो कि आबादी का लगभग 50% है लिहाजा दसवीं भारतीय सरकार ने कृषि उद्योग और किसानों के कल्याण में चौधरी चरण ₹ल्लैी योगदान का सम्मान करने के लिए 2001 में उनकी जयंती को किसान दिवस के रूप में नामित करने का फैसला किया। 23 दिसंबर 1902 को गाजियाबाद (पश्चिम उत्तर प्रदेश) के नूरपूर गांव में जन्मे चौधरी चरण सिंह बचपन से ही क्रांतिकारी स्वभाव के रहे हैं। बचपन से ही देश के लिए कुछ करने की ललक रखने वाले चरण सिंह अपने अक्खड़ रवैये और सिद्धांतों से समझौता न करने के लिए मशहूर थे। कांग्रेस में ही रहते हुए उन्होंनने नेहरू के विचारों, योजनाओं और उनकी संकल्पनाओं को गलत कहने का साहस दिखाया। उनकी शिक्षा सरकारी उच्च विद्यालय और विश्वविद्यालय मेरठ से पूरी हुई। उन्होंने विज्ञान स्नातक कला स्नातकोत्तर और विधि स्नातक की पढ़ाई की थी। कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित हुआ जिससे प्रभावित होकर युवा चौधरी चरण सिंह राजनीति में सक्रिय हो गए। उन्होंने गाजियाबाद में कांग्रेस कमेटी का गठन किया। 1930 में जब महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का आह्वान किया तो उन्होंने हिंडन नदी पर नमक बनाने के प्रयास के क्रम में उन्हे जेल भी जाना पड़ा। 1937 में छपरौली (उत्तर प्रदेश) विधानसभा के लिए चुने गए एवं 1946, 1952, 1962 एवं 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उनके निर्देशन में ऋण मोचन विधेयक 1939 का मसौदा तैयार किया गया और उसे पूरा किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य ग्रामीण आबादी को साहूकारों से बचाना था। 1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में वह संसदीय सचिव बने और राजस्व, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, न्याय, सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में कार्य किया। जून 1951 में उन्हें राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया एवं न्याय तथा सूचना विभागों का प्रभार दिया गया। ०एक जुलाई1952 को यूपी में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ। यकीनन उनके द्वारा तैयार किया गया जमींदारी उन्मूलन विधेयक राज्य के कल्याणकारी सिद्धांत पर आधारित था। उन्होंने न केवल लेखापाल के पद का सृजन किया बल्कि किसानों के हित में उन्होंने 1954 में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को भी पारित कराया। बाद में 1954 में वे डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने। अप्रैल 1959 में जब उन्होंने पद से इस्तीफा दिया, उस समय उन्होंने राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला हुआ था। श्री सी.बी. गुप्ता के मंत्रालय में वे गृह एवं कृषि मंत्री थे। 1960 में भूमि जोत अधिनियम लाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिसका उद्देश्य भूमि जोत की अधिकतम सीमा को कम करके उसे पूरे राज्य में एक समान बनाना था। श्रीमती सुचेता कृपलानी के मंत्रालय में वे कृषि एवं वन मंत्री (1962-63) रहे। उन्होंने 1965 में कृषि विभाग छोड़ दिया एवं 1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया। कांग्रेस विभाजन के बाद फरवरी 1970 में दूसरी बार वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हालांकि राज्य में 2 अक्टूबर 1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। निसंदेह एक कठोर कार्यपालक के रूप में ख्याति अर्जित करने वाले चौधरी चरण सिंह प्रशासन में अकुशलता भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करते थे। 28 जुलाई 1979 विषम परिस्थितियों में चौधरी चरण सिंह के सिर पर प्रधानमंत्री का ताज सजा। मगर यह ताज कांटों भरा था। सदन में बहुमत साबित करने के दौरान इंदिरा गांधी ने अपना समर्थन वापस ले लिया और उनकी सरकार गिर गई। मजह 23 दिनों तक प्रधानमंत्री के पद पर काबिज रहे चौधरी चरण सिंह संसद का मुंह नहीं देख पाए। चौधरी चरण सिंह को 20 अगस्त 1979 को अपना इस्तीफा देना पड़ा लेकिन 14 जनवरी 1980 तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहे। वह सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखते थे और लाखों किसानों के बीच उनका विश्वास कायम था। समाज में हाशिए पर पड़े लोगों के सशक्तिकरण के लिए किए गए उनके अथक प्रयास को याद करते हुए फरवरी 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की गयी। सादा जीवन उच्च विचार वाले चौधरी चरण सिंह ने अपने खाली समय में कई किताबें एवं पुस्तिकाएं भी लिखी जिसमें ह्यजमींदारी उन्मूलनह्न, ह्यभारत की गरीबी और उसका समाधानह्न, ह्यकिसानों की भूसंपत्ति या किसानों के लिए भूमि, ह्यप्रिविंशन ऑफ डिवीजन ऑफ होल्डिंग्स बिलो ए सर्टेन मिनिममह्न, ह्यको-ऑपरेटिव फार्मिंग एक्स-रयेद्ह्न आदि प्रमुख हैं।

यकीनन आज राष्ट्रीय किसान दिवस के मौके पर देश भर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों की योजना बनाई गई होगी जिनमें कार्यक्रम, वाद-विवाद, सेमिनार, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, चचाएं, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां और समारोह शामिल होंगे पर क्या इन सभी आयोजनों से हमारे किसान भाइयों के जीवन शैली में कुछ परिवर्तन आएगा। अत्यंत दुखद है कि नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चरल एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) की एक रिपोर्ट में किसान परिवारों की आय के बारे में चौकाने वाले खुलासे किए गए हैं। इसमें बताया गया है कि 2021-22 में प्रति किसान परिवार सभी स्त्रोतों से औसत मासिक कमाई सि र्फ 13,661 रुपये है। किसान फिर सड़क पर है और एक बार फिर किसान की आय और एमएसपी की कानूनी गारंटी पर बहस छिड़ चुकी है।किसानों पर बढ़ता कर्ज उपज का सही दाम ना मिलना,बिजली के बढ़ते बिल आदि उनके प्रमुख मुद्दे हैं लेकिन किसानों की प्रमुख मागें पूरी होना तो दूर उनकी हालत और खराब होती जा रही है। यकीनन जरूरत एक ऐसे माहौल की जिसमें किसानों में प्रगतिशील सोच विकसित हो और वे अपनी फसलों पर ऊँचा मुनाफा पा सकें।

किसानो कि बुलंद आवाज थे चौधरी चरण सिंह

–रमेश सर्राफ धमोरा–

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उन का कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोड़ने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है।

चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुखः दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे।

उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर जोर दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे।

आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। केन्द्र व राज्य सरकारें भी किसानो के भले की योजनायें बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था। चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूणार्नंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर

कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी। किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया

उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का

सकता है। अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। आज किसानो कि हालात को देखकर चौधरी चरणसिंह जैसे देश के बड़े किसान नेता की याद आना स्वाभाविक ही है। मौजूदा समय में चौधरी चरणसिंह जैसा नेता होता तो किसानो को उनका वाजिब हक मिलने से कोई नहीं रोक सकता था। चौधरी चरण सिंह जैसे किसानो के बड़े नेता द्वारा किसानो के हित में किये गये कायों को देखते हुये वर्षो पूर्व ही उनको भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिये था। मगर सरकारों की अनदेखी के चलते उनको वर्षों तक उचित सम्मान नहीं मिल पाया। नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह जैसे सच्चे बड़े व सच्चें किसान नेता को भारत रत्न प्रदान कर सच्ची श्रृद्धांजलि अर्पित की है। इससे देश के करोड़ों किसानों के साथ ही सरकार का भी सम्मान बढ़ा

पार्टी ने दिया मौका तो भारी मतों से दर्ज करेंगे जीतः अंजू वालिया

- कांग्रेस से मेयर के लिए पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश वालिया की पत्नी अंजू वालिया ने की दावेदारी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार। किसान कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश वालिया की पत्नी पूर्व प्रधान अंजू वालिया ने मेयर पद के लिए ताल ठोकते हुए अपना आवेदन कर दिया है। रविवार को उन्होंने अपने समर्थकों के साथ मायापुर स्थित यूनियन भवन में पहुंचकर महानगर अध्यक्ष अमन गर्ग को मेयर के लिए अपना आवेदन पत्र सौंपा। पूर्व प्रधान अंजू वालिया ने अपना आवेदन देते हुए कहा कि वह और उनके पति लंबे समय से कांग्रेस से जुड़कर जनहित की आवाज को उठाते आ रहे हैं। इस बार उन्होंने महापौर पद के लिए चुनाव लड़ने का पूरा मन बनाया है और इसके लिए सभी तैयारी भी की हुई है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अगर उनको मेयर का चुनाव लड़ने का मौका दिया तो भारी मतों से जीत दर्ज करेंगी और नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के साथ ही विकास कार्यों को कराया जाएगा। पूर्व प्रधान दिनेश वालिया ने अपनी पत्नी अंजू वालिया का आवेदन देते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा पार्टी और जनहित के लिए काम किया है। पार्टी को उनकी पत्नी को मेयर का टिकट देना चाहिए। इसके लिए पार्टी पदाधिकरियों से अनुरोध भी किया गया है। साथ ही आवेदन भी कर दिया गया है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि पार्टी की ओर से उन्हें चुनाव लड़ने के लिए मौका दिया जाएगा और वह पार्टी के साथ ही शीर्ष नेताओं की उम्मीद पर खरा उतरने का काम भी करेंगे। कांग्रेस के निवार्मान पार्षद उदयवीर चौहान और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्याम सुंदर मनवाल ने कहा कि अंजू वालिया और उनके पति दिनेश वालिया कांग्रेस के पुराने सिपाही हैं। दिनेश वालिया की पत्नी अंजू वालिया ने ग्राम प्रधान रहते हुए जगजीतपुर और क्षेत्रों तका विकास करने में अहम भूमिका निभाई है। अगर उन्हें मेयर के लिए मौका दिया जाए तो जीत दर्ज कर शहर के विकास में भी अपना योगदान देंगे। इस दौरान मीनाक्षी, प्रियंका चौहान, सुमन चौहान, अरविंद शर्मा, उदयवीर चौहान, राहुल चौधरी, सतीश दुबे, ललित वालिया, नरेश वालिया, सार्थक वालिया, संदीप कुमार, संजय धीमान, जोगिंदर, सन्नी, कामेखंर यादव, महेश बर्मन, श्याम सुंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे।

नशा तस्करों के विरुद्ध हरिद्वार पुलिस की लगातार जारी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

कोतवाली नगर पुलिस ने शराब के धंधे में संलिप्त 02 तस्करों को दोपहिया वाहन सहित, 90 पव्वे टैट्रा पैक देशी शराब के दबोचा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा जनपद मे अवैध मादक पदार्थ (अवैध शराब/स्मैक/चरस/गांजा/आदि) तस्करों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही कर अभियान चलाने को निर्देशित किया गया है। दिनांक 22-12-2024 को अभियान के दौरान कोतवाली नगर पुलिस द्वारा शराब के धंधे में संलिप्त 02 तस्करों को अवैध शराब परिवहन करते हुय मय वाहन मय अवैध देशी शराब के साथ दिल्ली हार्ट होटल के पास सप्तसरोवर मार्ग से दबोचा गया।

सुशासन सप्ताह के अंतर्गत, बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

भगवानपुर,हरिद्वार,तहसील प्रांगण में सुशासन सप्ताह के अंतर्गत, बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया।

जिसमें तहसीलदार दयाराम, खंड विकास अधिकारी आलोक गार्गेय ,नायब तहसीलदार अनिल कुमार गुप्ता, सीडीपीओ ज्ञानेंद्र सिंह, ने शिविर का उद्घाटन किया।

शिविर के दौरान तहसीलदार द्वारा जनता दरबार लगाकर लोगों की शिकायतें भी सुनी, जिसमें मौके पर 18 लोगों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई, जिसमें पांच लोगों ने अभी तक पीएम आवास ने मिलने की शिकायत की, तथा कुछ लोगों ने चकरोड की पैमाइश, अतिक्रमण, जल भराव, तथा ऊर्जा निगम से संबंधित शिकायत आईं ।जिसमें मौके पर दो शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया, 16 शिकायतों को संबंधित विभाग के

अधिकारियों को देकर 10 दिन के अंतराल पर निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। शिविर में आंगनवाड़ी ,पशु चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कृषि विभाग, उद्यान विभाग, आपूर्ति विभाग, ऊर्जा निगम, वन विभाग, सहकारिता विभाग, रेशम विभाग, के कर्मचारियों ने लोगों को अलग-अलग जानकारियां दी। जल निगम के अधिकारियों ने आम जन को अपने विभाग की जानकारियां दी। इस दौरान दिनेश कुमार, तुलाराम, पूनम सैनी, अभिमन्यु ठाकुर, राकेश कुमार, आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका परिषद का अध्यक्ष कई दावेदार चुनाव मैदान में ठोक रहे हैं ताल

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर नगर पालिका परिषद में कौन बनेगा नगर पालिका परिषद का अध्यक्ष कई दावेदार चुनाव मैदान में ठोक रहे हैं ताल, लकसर वार्ड नंबर 1 सभासद अरविंद कल्याणी के दादा तुंगल सिंह, नगर पंचायत बनने से पहले लक्सर गांव के प्रधान भी रह चूके हैं, और अभी सभासद अरविंद कल्याणी भाजपा से मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं, अगर भाजपा ने उनकों टिकट दिया तो मजबूत चुनाव लड़ सकते हैं, ऋषिपाल पूर्व जिला पंचायत मेंबर दो बार बूक्कनपुर के प्रधान रहे, हाल मे बीडीसी मेंबर भी हैं, उनका राजनीतिक इतिहास भी बहुत अच्छा रहा है, वह भी भाजपा से टिकट मांग रहे हैं, पुनम वाल्मीकी भाजपा के कई पदों पर विराजमान रह चुकी है, अभी भाजपा से उम्मीदवारी जता रही है, राजेश कुमार वाल्मीकी लक्सर नगर पालिका परिषद से मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं, उनके लक्सर नगर पालिका परिषद में बहुत ही प्रभाव है, डॉक्टर अरविंद कुमार ने भी भाजपा में मजबूत टिकट की दावेदारी पेश की हैं, बालेश्वर सिंह कांग्रेस प्रदेश सचिव चुनाव में ताल ठोक रहे हैं, वह पहले भी मजबूत तरीके से चुनाव लड़ चूके हैं, इस बार भी कांग्रेस से मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं, अगर कांग्रेस ने उन्हें टिकट दिया तो वह

मजबूत चुनाव लड़ सकते हैं, सतवीर सिंह भी भाजपा से टिकट मांग रहे हैं, वह पीछले चुनाव से पहले चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़कर 2250 वोट हसिल कर चूके थे, दीपक वालिया भी भाजपा से एक मजबूत दावेदार है, जिनकी दावेदारी पर शक नहीं किया जा सकता, वहीं बसपा से अभी कोई दावेदार निकलकर सामने नहीं आया है, देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी अपने किस प्रत्याशी पर भरोसा जताएगी, और कौन लक्सर नगर पालिका में जीत का परचम लहराएगा, यह तो अभी भविष्य के गर्भ में छिपा है।

स्टोन क्रेशर के मुंशी का शव संदिग्ध रूप से लटका मिला

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर,उत्तराखंड, भोगपुर गांव के निकट एक स्टोन क्रेशर में रविवार सुबह स्टोन क्रेशर के मुंशी का शव संदिग्ध रूप से स्टोन क्रेशर की कन्वेयर में मफलर से लटका मिला। मामले की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। इसके बाद युवक के परिजन ग्रामीण बड़ी संख्या में ग्रामीण लक्सर कोतवाली पहुंचे। इस दौरान परिजनों और ग्रामीणों ने युवक की हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पंडित पुरी गांव निवासी जॉनी पुत्र धीरसिंह उम्र 22 वर्ष भोगपुर गांव के निकट एक स्टोन क्रेशर में पिछले 3 वर्षों से मुंशी के पद पर कार्य कर रहा था। रविवार सुबह जॉनी का शव स्टोन क्रेशर के अंदर कन्वेयर में मफलर से लटका हुआ मिला। मामले की सूचना पर परिजनों के होश उड़ गए। मौके पर पहुंचे परिजनों ने मामले की जानकारी ली। इस्-के बाद खानपुर विधायक के नेतृत्व में परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण लक्सर कोतवाली पहुंचे इस दौरान परिजनों ने युवक की हत्या करने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाने की मांग की।

इस दौरान परिजनों और ग्रामीणों के साथ मिलकर लक्सर कोतवाली पहुंचे खानपुर विधायक उमेश कुमार ने कहा कि पुलिस ने बिना परिजनों को बुलाए युवक के शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया। यह गलत है। परिजनों का आरोप है कि स्टोन क्रेशर स्वामी के पास पूर्व में स्टोन क्रेशर में काम कर चुके मृतक के गांव निवासी कई लोगों के नंबर है। इसके बावजूद भी स्टोन क्रशर स्वामी द्वारा मृतक के परिजनों को मामले की जानकारी नहीं दी गई थी। मामले की सूचना पर मौके पर पहुंचे भिक्कमपुर पुलिस चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया है। इस मामले में मृतक जॉनी के परिजनों द्वारा अज्ञात लोगों के खिलाफ जॉनी की हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी गई है। भिक्कमपुर पुलिस चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि भोगपुर गांव के निकट स्टोन क्रशर में कन्वेयर से लटका मिला शव जॉनी पुत्र धीरसिंह उम्र 22 वर्ष निवासी पंडितपुरी का है। मामले में स्टोन क्रेशर के सीसीटीवी कैमरे चेक किए जा रहे हैं।

समता सत्संग के बाद संगत में चाय और बिस्किट का प्रशाद वितरण

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

आज, रविवार को संगत समतावा ट्रस्ट, हरिद्वार द्वारा आयोजित समता सत्संग में गुरू गोबिंद सिंह जी, माता गुजरी जी और उनके चार साहिबजादों की शहादत को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर समता सत्संग के बाद संगत में चाय और बिस्किट का प्रशाद वितरण किया गया।

इस आयोजन में संगत समतावा ट्रस्ट के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। समता सत्संग में गुरू गोबिंद सिंह जी और उनके परिवार की शहादत की कहानी सुनाई गई और उनकी बहादुरी और बलिदान को याद किया गया। संगत समतावा ट्रस्ट के अध्यक्ष ने कहा,

₹हम गुरू गोबिंद सिंह जी और उनके परिवार की शहादत को याद करने और उनकी बहादुरी और बलिदान को सम्मानित करने के लिए यह आयोजन करते हैं।

इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को गुरू गोबिंद सिंह जी और उनके परिवार की शहादत के बारे में जागरूक करना और उनकी बहादुरी और बलिदान को याद करना था। इस सेवा कार्य में प्रेमी प्रशांत जी, प्रेमी वरुण जी, प्रेमी वैभव जी , प्रेमी लाहौरी सिंह जी, प्रेमी राजकुमार चमन जी, एडवोकेट संजय प्राशर जी, एडवोकेट शिवम शर्मा, चंडीगढ़, जगाधरी एवं गांव सुभाषगढ, पथरी, डांडी, दिनारपुर संगत का भरपूर सहयोग रहा।

तेल लगाओ सरसों का हिसाब लेंगे वर्षों का: सोहन सिंह सोलंकी

देवभूमि उत्तराखण्ड को दैत्यभूमि नहीं बनने देंगेः सोहन सिंह सोलंकी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, विश्व हिन्दू परिषद के युवा संगठन बजरंग दल ने शौर्य जागरण यात्रा का आयोजन किया। बजरंग दल की शौर्य जागरण यात्रा हरिद्वार के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों से निकल कर हरिद्वार शहर की मुख्य सड़कों से निकलती हुई भारत सेवा आश्रम संघ अग्रसेन चौक के सभागार में एक विशाल जनसभा के रुप परिवर्तित हुई। शौर्य जागरण यात्रा में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सोहन सिंह सोलंकी क्षेत्रीय संगठन मंत्री मेरठ क्षेत्र विश्व हिन्दू परिषद ने कहा कि उत्तराखण्ड देवताओं की भूमि है, यह वीरों और बलिदानियों की भूमि है, यह मातृभूमि रक्षको की भूमि है। जब भी देवभूमि पर विधर्मियों ने दुस्साहस करने का प्रयास किया तब हमारे बुजुर्ग महापुरुषों बलिदानियों ने मुंह तोड़ जवाब दिया। उत्तराखण्ड में लव जिहाद, गो हत्या, धर्मपरिवर्तन, लैंड जिहाद, मजार जिहाद के माध्यम देवभूमि का वातावरण खराब करने की कोशिश करने वाले अब बाज आ जाए नहीं तो बजरंग दल तैयार खड़ा है। उन्होंने सभा में उपस्थित विशाल हिन्दू समुदाय के समक्ष हुंकार भरते हुए कहा कि हम देवभूमि को दैत्यभूमि बिल्कुल नहीं बनने देंगे। उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रो के साथ मैदानी क्षेत्रों में बाहर से व्यापार करने के बहाने आए विधर्मियों द्वारा आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है तथा हिंदू धर्म के विरुद्ध षडयंत्र रचे जा रहे हैं, इन्हीं षड्यंत्रों के जवाब के रुप में तथा हिंदुओं का

जनजागरण करने के उद्देश्य से ही शौर्य जागरण यात्रा निकाली गई हैं। सोहन सिंह सोलंकी ने हिंदू हित के लिए कार्य करने वाले बजरंग दल की जमकर प्रशंसा की और कहा बजरंग दल केवल एक दल मात्र नहीं बल्कि हिंदुओं का बल है। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि राम मंदिर,बधारा 370 के बाद अब हमारी निगाहें पाकिस्तान की ओर है। जिहादियों से वर्षों का हिसाब लेने का वक्त आ गया है उन्होंने नारा दिया कि तेल लगाओ सरसों का, अब हिसाब लेंगे वर्षों का। बजरंग दल के प्रांत संयोजक अनुज वालिया ने कहा कि वर्तमान समय में हिंदू समाज सुरक्षित महसूस नहीं करता है। अफगानिस्तान में हिंदू समाप्त हो गया। बांग्लादेश में हिंदू बहन बेटियों के साथ अनाचार अत्याचार कर मारा जा रहा है. बजरंग दल के निर्भीक कार्यकर्ता हिंदू बहन बेटियों की रक्षा करते हैं, मठ मंदिरों की रक्षा करते हैं, गौ माता की रक्षा करते हैं, भारत माता के लिए जीते और मरते हैं। गौ हत्या रोकने व बहन बेटियों को बचाने में बजरंग दल के कार्यकर्ता हुतात्मा होते रहे हैं। आज हम भगवान राम की पूजा करें और शबरी मां को अछूत कहें यह कहां का न्याय है। हम सब मिलकर जाति, छुआछूत को समाप्त कर समरस, समर्थ और सुरक्षित समाज की स्थापना करेंगे। अजय कुमार प्रांत संगठन मंत्री विश्व हिन्दू परिषद ने कहा कि अगर हिंदू जातिवाद छोटे-बड़े में बढ़ता रहा तो वह दिन दूर नहीं हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएगा इसीलिए हिंदुओं को एक जुट होकर जेहादियों का मुंह तोड़ जवाब देना होगा। बजरंग दल के शौर्य जागरण यात्रा में हजारों की संख्या में बजरंग दल के कार्यकताओं ने बढ़ चढ़ कर भागीदारी की तथा अपनी संख्या बल को जय श्री राम के नारों के साथ दशार्ने का प्रयास भी किया। बजरंग दल की शौर्य जागरण यात्रा में प्रमुख रुप से महंत ओमदास जी महाराज, वीरेंद्र कीर्तिपाल, बलराम कपूर, सौरभ चौहान, रोहित शास्त्री, भूपेंद्र सैनी, जीवेंद्र तोमर, अमित मुल्तानिया, प्रजीत कुमार, सौरभ चौहान, नवीन तेश्वर हिमांशु सैनी, कार्तिक दिवाकर, जयकरण उपाध्याय के साथ हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक ब्लॉक अध्यक्ष महावीर धनियाल की अध्यक्षता में बी आर सी भिलंगना में आयोजित हुई

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन शाखा भिलंगना जनपद टिहरी गढ़वाल की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक ब्लॉक अध्यक्ष महावीर धनियाल की अध्यक्षता में बी आर सी भिलंगना में आयोजित हुई,,बैठक का संचालन श्री मेघ सिंह चौहान मंत्री प्राथमिक शिक्षक संघ भिलंगना के द्वारा किया गया बैठक में मुख्य अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष श्री चंद्रवीर सिंह नेगी जी उपस्थित रहे,,बैठक की शुरूआत में संगठन हम करें आफतों से लड़े समूह गान से की गई,,, बैठक में सर्वप्रथम नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तत्पश्चात आय व्यय का लेखा प्रस्तुत कर उसकी पुष्टि की गई,, तथा,,शिक्षा एवं शिक्षक हितों से संदर्भित बिन्दुओं पर चर्चा परिचर्चा की गई,, जिनमे मुख्यतया बी एड टीईटी शिक्षकों का छः माह का सेवारत प्रशिक्षण,, पारस्परिक स्थानांतरण ,,सेवा पुस्तिकाओं से संबंधित,,, बाल्य देखभाल अवकाश,,चयन एवं प्रोन्नत वेतनमान एरियर,, विद्यालय प्रबंधन समिति के खातों से बैंक द्वारा की जा रही छात्र प्रोत्साहन धनराशि की कटौती,,, आदि बिन्दुओं पर चर्चा परिचर्चा की गई,,,तथा निदान हेतु प्रस्ताव पारित किए गए,, एवं निर्णय लिया गया कि अति शीघ्र कार्यकारणी का शिष्ट मंडल उपशिक्षा अधिकारी से मुलाकात कर शिक्षकों की समस्याओं को निस्तारित करवाने हेतु पहल करेगी,,,इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री चंद्रवीर सिंह नेगी ने ब्लॉक कार्यकारणी को भरोसा दिलाया कि शिक्षकों की जनपद स्तर की जो भी समस्याएं होगी उनके निदान के लिए सदैव तत्पर हैं ब्लॉक अध्यक्ष महावीर धनियाल ने कहा कि शिक्षकों की हर समस्याओं के निराकरण हेतु पूर्व कार्यकाल की भांति इस कार्यकाल में भी वे सदैव शिक्षक हितों के लिए सदैव तत्पर रहेंगे बैठक में श्री कलम सिंह नेगी वरिष्ठ उपाध्यक्ष,, उमादत्त नोटियाल प्रचार मंत्री,,राजेंद्र सिंह पंवार संगठन मंत्री,,विनोद श्रीयाल उपमंत्री,,भगवती प्रसाद सती लेखाकार, सुरजीत सिंह पंवार प्रचार मंत्री,विनोद उपाध्याय कोषाध्यक्ष,,श्री हिमांशु कुमार,,श्री,भास्करानंद,, श्री गंभीर सिंह रावत ने अपने विचार प्रस्तुत कर संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता कायम रखने का संकल्प लिया ,,बैठक में श्री मनमोहन नोटियाल पूर्व मंत्री,श्रीमती रंजिता रावत संगठन मंत्री,जयवीर सिंह संगठन मंत्री,,दिनेश मेगवाल उपाध्यक्ष,, जलमदास उपमंत्री,पूरब सिंह भंडारी,,महावीर श्रीयाल,,जयपाल सिंह रावत उपस्थित रहे।

उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन शाखा भिलंगना की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक संपन्न

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन शाखा भिलंगना जनपद टिहरी गढ़वाल की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक ब्लॉक अध्यक्ष महावीर धनियाल की अध्यक्षता में बी आर सी भिलंगना में आयोजित हुई। बैठक का संचालन श्री मेघ सिंह चौहान मंत्री प्राथमिक शिक्षक संघ भिलंगना के द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष श्री चंद्रवीर सिंह नेगी जी उपस्थित रहे।बैठक की शुरूआत में संगठन हम करें आफतों से लड़े समूह गान से की गई। बैठक में सर्वप्रथम नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया ।तत्पश्चात आय व्यय का लेखा प्रस्तुत कर उसकी पुष्टि की गई तथा शिक्षा एवं शिक्षक हितों से संदर्भित बिन्दुओं पर चर्चा परिचर्चा की गई। जिसमें मुख्यतया बी एड टीईटी शिक्षकों का छः माह का सेवारत प्रशिक्षण, पारस्परिक स्थानांतरण, सेवा पुस्तिकाओं से संबंधित बाल्य देखभाल अवकाश, चयन एवं प्रोन्नत वेतनमान एरियर, विद्यालय प्रबंधन समिति के खातों से बैंक द्वारा की जा रही छात्र प्रोत्साहन धनराशि की कटौती, औपबंधिक एवं मानदेय शिक्षकों की नियमितीकरण की मांग, औपबंधिक शिक्षकों की एन पी एस धनराशि के संबंध में पुरानी पेंशन बहाली हेतु निरंतर संघर्ष आदि बिन्दुओं पर चर्चा परिचर्चा की गई तथा निदान हेतु प्रस्ताव पारित किए गए एवं निर्णय लिया गया कि अति शीघ्र कार्यकारणी का शिष्ट मंडल उपशिक्षा अधिकारी से मुलाकात कर शिक्षकों की समस्याओं को निस्तारित करवाने हेतु पहल करेगी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री चंद्रवीर सिंह नेगी ने ब्लॉक कार्यकारणी को भरोसा दिलाया कि शिक्षकों की जनपद स्तर की जो भी समस्याएं होगी उनके निदान के लिए सदैव तत्पर हैं। ब्लॉक अध्यक्ष महावीर धनियाल ने कहा कि शिक्षकों की हर समस्याओं के निराकरण हेतु पूर्व कार्यकाल की भांति इस कार्यकाल में भी वे सदैव शिक्षक हितों के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। बैठक में श्री कलम सिंह नेगी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उमादत्त नोटियाल प्रचार मंत्री, राजेंद्र सिंह पंवार संगठन मंत्री, विनोद श्रीयाल उपमंत्री, भगवती प्रसाद सती लेखाकार, सुरजीत सिंह पंवार प्रचार मंत्री, विनोद उपाध्याय कोषाध्यक्ष, श्री हिमांशु कुमार, श्री भास्करानंद, श्री गंभीर सिंह रावत ने अपने विचार प्रस्तुत कर संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता कायम रखने का संकल्प लिया।

शिक्षकों की जनपद स्तर की जो भी समस्याएं होगी उनके निदान के लिए सदैव तत्पर हैं।

ब्लॉक अध्यक्ष महावीर धनियाल ने कहा कि शिक्षकों की हर समस्याओं के निराकरण हेतु पूर्व कार्यकाल की भांति इस कार्यकाल में भी वे सदैव शिक्षक हितों के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

बैठक में श्री कलम सिंह नेगी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उमादत्त नोटियाल प्रचार मंत्री, राजेंद्र सिंह पंवार संगठन मंत्री, विनोद श्रीयाल उपमंत्री, भगवती प्रसाद सती लेखाकार, सुरजीत सिंह पंवार प्रचार मंत्री, विनोद उपाध्याय कोषाध्यक्ष, श्री हिमांशु कुमार, श्री भास्करानंद, श्री गंभीर सिंह रावत ने अपने विचार प्रस्तुत कर संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता कायम रखने का संकल्प लिया। बैठक में श्री मनमोहन नोटियाल पूर्व मंत्री, श्रीमती रंजिता रावत संगठन मंत्री, जयवीर सिंह संगठन मंत्री, दिनेश मेगवाल उपाध्यक्ष, जलमदास उपमंत्री, पूरब सिंह भंडारी, महावीर श्रीयाल, शकंर सिंह पुंडीर अध्यक्ष पुरानी पेंशन संयुक्त मोर्चा विकास खंड भिलंगना, जयपाल सिंह रावत उपस्थित रहे।

प्रशासन गांव की ओर अभियान ग्रामीणों को जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओरह्य अभियान के तहत आज जिले में थाती धनारी, बनचौरा और आराकोट में बहुद्देश्यीय शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को जन- कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही मौके पर ही जन-समस्याओं और शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की सेवाओं एवं योजनाओं से भी लोगों को लाभन्वित किया गया। सुशासन सप्ताह के तहत डुंडा ब्लॉक के थाती धनारी गॉव में क्षेत्रीय विधायक सुरेश चौहान की अध्यक्षता में आयोजित बहुद्देश्यीय शिविर में जन-समस्याओं से जुड़े 63 मामले प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 60 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। थाती धनारी में आयोजित बहद्देश्यीय शिविर के मौके पर विधायक सुरेश चौहान ने प्रधानमंत्री अटल आदर्श ग्राम योजना के तहत जन निर्मित आंगनवाड़ी भवन तथा स्पेशल कंपोनेंट प्लान के तहत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के निर्माण कार्यों का लोकार्पण करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को योजना राशि के चैक एवं नवनिर्मित आवासों की चाबियों का वितरण किया। विधायक ने कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों को निवेश निधियों को वितरण करने के साथ ही ग्रामीणों को कृषि यंत्र तथा दिव्यांगों को श्रवणयंत्र एवं छड़ियां भी वितरित की। इस अवसर पर विधायक श्री चौहान ने लोक शिकायतों के निवारण एवं सेवाओं में सुधार के लिए संचालित सुशासन सप्ताह को अत्यंत महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार प्रत्येक नागरिक के विकास व कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं को पूरा लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुँचाने के लिए इनकी जन-जन तक जानकारी पहुंचाना और दूर-दराज के पात्र व्यक्ति तक सरकारी सेवाओं की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ह्यप्रशासन गांव की ओरह्य अभियान सरकार का सराहनीय और कारगर प्रयास है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार ने कई उल्लेखनीय पहल की है। इस क्षेत्र में लगभग सौ करोड़ से अधिक की लागत से सड़कों के निर्माण व रख-रखाव के काम चलाए जा रहे हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य, जलापिर्त, सिंचाई जैसी बुनियादी जरूरतों के साथ स्थानीय स्तर पर आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर भी सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। जिससे क्षेत्र की तस्वीर बदल रही है और लोगों की जिन्दगी में बेहतर बदलाव आ रहे हैं। उन्होंने थाती धनारी गांव में ग्राम पंचायत द्वारा किए गए विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जन-कल्याण के कार्यक्रमों से पात्र लोगों को पूरा लाभ प्रदान करने और योजनाओं के लिए स्वीकृत धनराशि का सदुपयोग सुनिश्चित करने के लिए सभी लोगों को सजग रहकर समन्वित प्रयास करने होंगे।

इस शिविर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों को सीआईएफ तथा चक्रीय निधि के तौर पर कुल ग्यारह लाख की धनराशि के चैक उपलब्ध कराए गए। समाज कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत पेंशनर सत्यापन, पेंशन व कल्याण योजनाओं के आवेदन के 30 प्रकरण निस्तारित करने के साथ ही अटल आवास योजना के चार एवं विवाह अनुदान के तीन लाभार्थियों को अनुमन्य राशि वितरित की गई। विभाग के द्वारा इस मौके पर 18 श्रवण यंत्र एवं छड़ियां भी वितरित की गई। कृषि एवं उद्यान विभाग के द्वारा भी 270 किसानों को बीजों व रसायनों का वितरण करने के साथ ही पीएम किसान निधि के आवेदन पत्र भरवाए गए। इस मौके पर स्वास्थ्य एवं पशु चिकित्सा विभाग भी दवा वितरण एवं परामर्श सुविधा उपलब्ध कराई गई।

गंगोत्री फिजिकल एकेडमी युवाओं को देश की सेवा के लिए तैयार करने का मंच

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, 22 दिसंबर 2024 गंगोत्री फिजिकल एकेडमी के द्वारा आज एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जो उत्तरकाशी तिलोथ में स्थित है। एकेडमी के संस्थापक एवं भूतपूर्व सैनिक चंद्र मोहन सिंह पंवार ने बताया कि एकेडमी में शारीरिक दक्षता वाली सभी भर्तियों की तैयारी निःशुल्क कराई जाती है। इसके साथ ही आर्मी अग्निवीर लिखित परीक्षा की तैयारी भी करवाई जाती है। इस एकेडमी में दूर-दराज के गरीब और असहाय बच्चों को निःशुल्क शारीरिक प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे उनका भविष्य उज्जवल हो सके। एकेडमी के संरक्षक चंद्र मोहन के अनुसार, एकेडमी की स्थापना वर्ष 2020 में हुई थी। प्रारंभ में, एकेडमी के पास अपना कोई कैंपस नहीं था, इसलिए सभी बच्चे अपने घरों से सुबह और शाम को तैयारी करने आते थे। यह तैयारी रोडों पर और मनेरा स्टेडियम में करवाई जाती थी। दिसंबर 2020 में कोटद्वार में इंडियन आर्मी की रैली भर्ती का आयोजन हुआ, जिसमें एकेडमी के 150 युवाओं ने भाग लिया और उनमें से 65 युवाओं का सफलतापूर्वक चयन इंडियन आर्मी में हुआ। गंगोत्री फिजिकल एकेडमी के संरक्षक ने बताया कि उसके बाद विधायक सुरेश सिंह चौहान और जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला से एकेडमी के कैंपस के बारे में चर्चा की गई। ऊर्जा निगम का एक खंडहर भवन, जिसे विधायक और ऊर्जा निगम के सहयोग से गंगोत्री फिजिकल एकेडमी को सौंपा गया था, उसकी मरम्मत ऊर्जा निगम द्वारा की गई। इस भवन का विधिवत उद्घाटन 7 फरवरी 2022 को विधायक सुरेश चौहान द्वारा किया गया, जिसमें कई स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। संस्थापक एवं ट्रेनर चंद्र मोहन सिंह पंवार ने बताया कि एकेडमी का उद्देश्य है कि हर जरूरतमंद बच्चा, जो देश की सेवा करना चाहता है, उसे उचित मार्गदर्शन और प्रशिक्षण मिल सके। उन्होंने कहा कि एकेडमी में अब तक 120 युवा आर्मी में भर्ती हो चुके हैं, जो एक बड़ी उपलब्धि है। विश्वनाथ पूर्व कल्याण समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह नेगी ने गंगोत्री फिजिकल अकादमी के संस्थापक चंद्र मोहन सिंह पंवार की कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा कि पंवार की प्रतिबद्धता और समर्पण ने राज्य के युवाओं को नई दिशा दी है। उनकी प्रेरणा से युवा सही मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं। नेगी ने यह भी कहा कि इस पहल से धीरे-धीरे नशे के आदी युवाओं को नशे से छुटकारा मिल सकेगा और समाज को सही दिशा में लाने का प्रयास सफल होगा। पूर्व फौजी जिला पंचायत सदस्य शंभू पंवार ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को देश की सेवा के लिए तैयार करने के लिए उनका भरपूर प्रयास जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि गंगोत्री फिजिकल अकादमी का विस्तार और अधिक संसाधनों को जुटाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा सके।भूतपूर्व सैनिक राम सिंह राणा, जिन्हें फौजी दिदा के नाम से भी जाना जाता है, ने गंगोत्री फिजिकल अकादमी के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा गंगोत्री फिजिकल अकादमी ने उत्तराखंड के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया है। यह अकादमी न केवल शारीरिक फिटनेस में सुधार करती है, बल्कि अनुशासन, समर्पण और देशभक्ति की भावना भी जगाती है। यहां के प्रशिक्षकों की मेहनत और युवाओं की लगन ने इस अकादमी को एक प्रतिष्ठित स्थान दिलाया है।

नवयुगा कम्पनी के अधिकारी व श्रमिकों को पुलिस ने नशे के प्रति किया जागरुक

नवयुगा कम्पनी के अधिकारी व श्रमिकों ने नशा विरोधी शपथ ली

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में उत्तरकाशी पुलिस द्वारा चलाये जा रहे नशामुक्त अभियान के अंतर्गत, कल 21 दिसंबर 2024 को चौकी प्रभारी गेंवला के नेतृत्व में थाना धरासू पुलिस द्वारा सिल्क्यारा टनल निर्माण कम्पनी नवयुगा के अधिकारी एवं श्रमिकों को नशे के दुष्प्रभावों की व्यापक जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। सभी से नशे के खिलाफ सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने, नशे से दूरी बनाने तथा अपने आसपास के समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की गई। इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देना और समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाना था। पुलिस ने सभी अधिकारियों और श्रमिकों को नशे से दूर रहने और अपने परिवार एवं समुदाय को भी इसके दुष्प्रभावों से बचाने की सलाह दी। इस दौरान,

पुलिस ने नशे के खिलाफ सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया और सभी से अपील की कि वे नशामुक्त समाज बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस पहल को स्थानीय समुदाय ने सराहा और पुलिस के इस प्रयास की प्रशंसा की। इस अभियान के दौरान, पुलिस ने नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की, जिसमें शारीरिक, मानसिक और सामाजिक प्रभाव शामिल थे। उन्होंने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। पुलिस ने श्रमिकों को नशे से बचने के उपाय भी बताए, जैसे कि तनाव प्रबंधन, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना, और नशे के प्रति जागरूकता फैलाना। इसके अलावा, उन्होंने नशे के खिलाफ सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करने की भी सलाह दी। इस पहल के अंतर्गत, नवयुगा कम्पनी के अधिकारियों और श्रमिकों ने नशा विरोधी शपथ ली और नशामुक्त समाज बनाने के लिए प्रतिबद्धता जताई। इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों से न केवल नशे के प्रति जागरूकता बढ़ती है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी मदद मिलती है।

मंदिरों का शहर हम्पी

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं – विरूपाक्ष मन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्रा बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईर्ष्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तकुला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तकुला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत श्रृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है। हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किन्धा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंडी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिल्कुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। विठ्ठल भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहर्स्ट के कथनानुसार-यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों में से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फर्ग्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के विठ्ठल भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे ।

विरुपाक्षमन्दिर

विरुपाक्ष मन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरूपाक्ष मंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्धसिंह और अर्धमनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ अधिक ही बड़ा समझा और अपने घर वापस लौट गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत शिव मंदिर है। मंदिर का बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर समाहित है, इसलिए वहां कोई नहीं जा सकता। बाहर के हिस्से के मुकाबले मंदिर के इस हिस्से का तापमान बहुत कम रहता है। विठाला मंदिर का मुख्य आकर्षण इसकी खम्बेवाली दीवारें और पत्थर का बना रथ है। इन्हें संगीतमय खंभे के नाम से जाना जाता है, क्योंकि प्यार से थपथपाने पर इनमें से संगीत निकलता है। पत्थर का बना रथ वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। पत्थर को तराश कर इसमें मंदिर बनाया गया है, जो रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

बडाव लिंग

पास में स्थित बडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। बडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्गमीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर

माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।

कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला

महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं ।

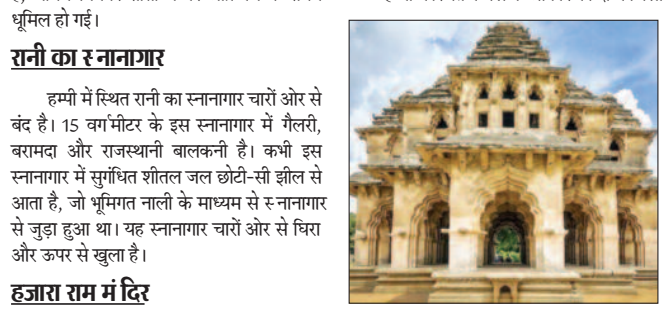

हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्त शिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तमोल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्टूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं ।

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बेंगलुरू से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।

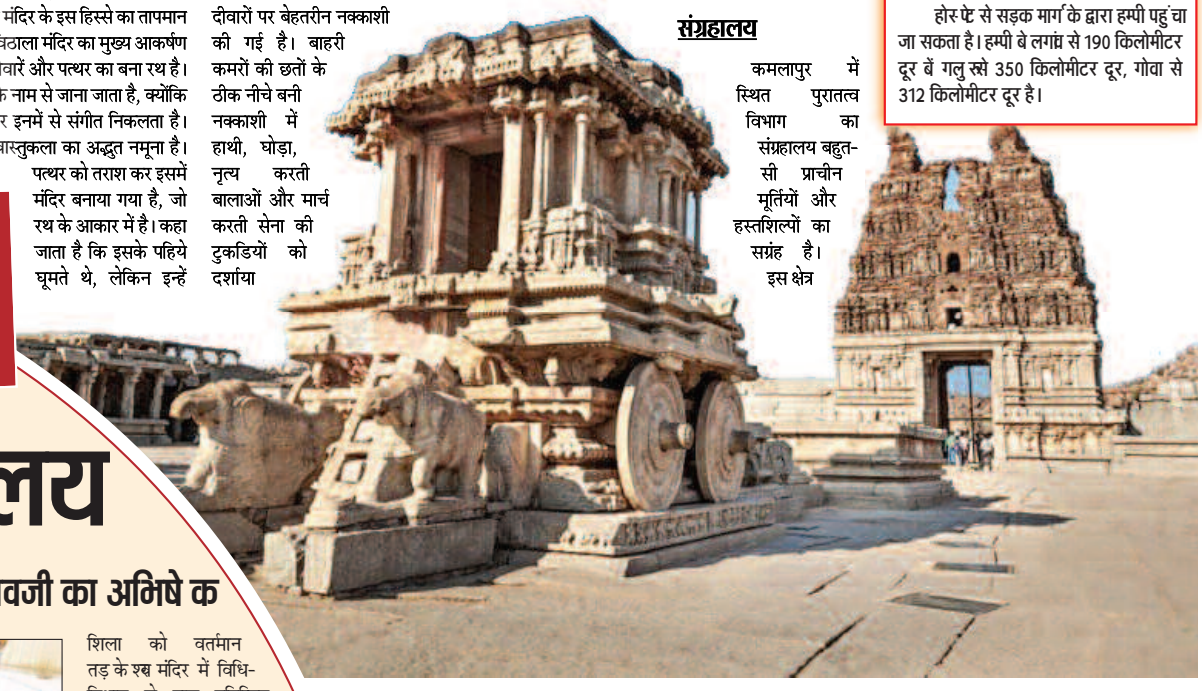

मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।

1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिवरात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि एक ग्वाले ने पाया कि उसकी गाय हर दिन झुंड से अलग होकर घने जंगल में जाकर एक जगह खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा प्रवाहित करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव लौटकर ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा घने वन में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक की बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने वहां जाकर देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में एक पावन शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं । अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर

स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों, आपको पता ही होगा की भारत देश मंदिरो का देश हैं। वैसे तो भारत में कई खूबसूरत मंदिर है जिन्हें देखने हर साल देश-विदेश से करोड़ों सैलानी आते हैं। लेकिन हम जिस भव्य शिव मंदिर के बारे में आज बताने जा रहे है वो है हिमाचल प्रदेश के सोलन की हसीन वादियों में स्तिथ जटोली का शिव मंदिर।

जटोली शिव मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर कहा जाता हैं। हाल ही में मंदिर में 11 फुट लंबा स्वर्ण कलश चढ़ाया गया हैं। इससे जटोली शिव मंदिर की ऊंचाई करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवो के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 किलोमीटर दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्काशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।

ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ़्त ले सकते हैं ।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड़ होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने दो दिवसीय अखिल भारतीय शीतकालीन गुलाब प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने एनडीएमसी द्वारा द रोज़ सोसायटी ऑफ इंडिया के सहयोग से दो दिवसीय ऑल इंडिया विंटर रोज़ शो का आज उद्घाटन किया। एनडीएमसी गुलाब प्रदर्शनी में 198 खंडों और 22 वर्गों में 200 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा 1400 प्रदर्शनों में गुलाब की 92 किस्मों को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान कुलजीत सिंह चहल ने जीवन को प्रेरणा देने वाले गुलाब का महत्व बताते हुए कहा कि गुलाब के फूल की खासियत है कांटों के बीच खिलना और सौन्दर्यमयी होना, जो हर किसी का मन मोह लेता है। इससे हमें प्रेरणा मिलती है कि जीवन में चाहे कितनी भी पथरीली, कंटीली परेशानियां क्यों न आएं, हमें मुस्कुराते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए, एक दिन जिंदगी की सुंदरता अपने आप चमक उठेगी। चहल ने आगे कहा कि गुलाब की पौध उगाना उन लोगों का जुनून है, जो अपने दशकों को विभिन्न प्रकार के गुलाबों की किस्मों को उगाने में समर्पित करते हैं। वे आम जनता के लिए विभिन्न प्रकार के गुलाबों को उगाते हैं, खिलाते हैं और इसके लिए प्रकृति के बहुत करीब रहते हैं। यह प्रदर्शनी उनके लंबे समय के प्रयासों का परिणाम है और दुनिया के रोज़-मूवमेंट का एक हिस्सा है।

केजरीवाल पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का आदेश सार्वजनिक करे ईडीः आआपा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ उपराज्यपाल द्वारा ईडी को मुकदमा चलाने की मंजूरी देने की खबरों पर आम आदमी पार्टी (आआपा) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मीडिया में इस आशय की खबरें आने के बाद मुख्यमंत्री आतिशी, आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह समेत कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा की गई पोस्ट में ईडी को उपराज्यपाल के उस आदेश की कॉपी दिखाने की चुनौती दी है। साथ ही कहा है कि यह सिर्फ बाबा साहब आंबेडकर के अपमान के मुद्दे से दिल्ली के लोगों का ध्यान भटकाने और उन्हें गुमराह करने के लिए किया जा रहा है। इस मामले पर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, अगर उपराज्यपाल ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है, तो ईडी को मंजूरी की कॉपी सार्वजनिक करने में क्या दिक्कत है? यह खबर सिर्फ लोगों को गुमराह करने और मुद्दों से भटकाने के लिए फैलाई जा रही है। भाजपा ये साजिशें बंद करो। सच सामने लाओ। इसी क्रम में पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि अगर उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है, तो ईडी उस मंजूरी की कॉपी क्यों नहीं दिखा रहा है? यह साफ है कि ये खबर पूरी तरह गुमराह करने वाली है।

बम की झूठी कॉल पर एलजी का एक्शन, स्कूलों के शिक्षकों और छात्रों को इन मुद्दों से निपटने की दे ट्रेनिंग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में स्कूलों को फर्जी बम धमकी और साइबर अपराध जैसे गंभीर खतरों से निपटने के लिए नई पहल की जा रही है। उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने दिल्ली पुलिस को स्कूलों के शिक्षकों और छात्रों को इन मुद्दों से निपटने के लिए प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया है। फर्जी बम धमकी और साइबर अपराध से जुड़ी घटनाओं ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है, जिस पर उपराज्यपाल ने सख्त रुख अपनाया है। एलजी ने पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया है कि स्कूलों में शिक्षकों और छात्रों को फर्जी बम धमकी से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने जोर दिया कि इस तरह की घटनाओं से घबराने के बजाय सटीक और शांतिपूर्ण तरीके से निपटने की आवश्यकता है। एलजी ने कहा कि यह शिक्षकों और छात्रों को आपातकालीन स्थितियों में तेजी से और सही प्रतिक्रिया देने में मदद करेगा। एलजी ने फर्जी बम धमकी के साथ-साथ साइबर अपराध और साइबर बुलिंग जैसे बढ़ते खतरों पर भी ध्यान देने की जरूरत बताई। उन्होंने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि छात्रों और शिक्षकों को इनसे बचाव के उपाय सिखाए जाएं। साइबर अपराध के तहत बच्चों और शिक्षकों को न केवल ऑनलाइन खतरों की पहचान करना सिखाया जाएगा, बल्कि उनसे बचने और सुरक्षित रहने के उपाय भी बताए जाएंगे। एलजी ने पुलिस आयुक्त को 15 दिनों के भीतर इस दिशा में उठाए गए कदमों पर एक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के एंटी स्नैचिंग सेल और सरोजिनी नगर थाना की पुलिस टीम ने गांजा तस्करी के मामले में नदीम नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 990 ग्राम फाइन क्वालिटी का गांजा बरामद किया गया है। वह लक्ष्मीबाई नगर इलाके का रहने वाला है। जांच पड़ताल में पता चला है कि यह पहले भी इस तरह के मामलों में शामिल रहा है।

दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि नदीम के बारे में पुलिस टीम को एक गुप्त सूचना मिली थी। उसी आधार पर सफदरजंग एनक्लेव के एसीपी रणवीर सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर हरि सिंह, सब इंस्पेक्टर मांगीलाल, हेड कांस्टेबल अजय, मनोज, भगत, अनिल कुमार, नरेंद्र और कांस्टेबल बबलू यादव की टीम ने पिलंजी गांव में नदीम को धर दबोचा। इसके पास से बैग मिला, जिसमें गांजा रखा हुआ था। आगे की पूछताछ में पता चला कि बाहर से गांजा लाकर वह आसपास के इलाकों में बेचता है। वह लक्ष्मीबाई नगर के अर्जुन दास कैंप की झुग्गी बस्ती में रहता है।

अश्विनी वैष्णव ने 101 रेलवे अधिकारियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किए

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 101 रेलवे अधिकारियों को 69वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार और विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 22 जोन को शील्ड प्रदान किए। वैष्णव ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके असाधारण कार्य और प्रयास के लिए बधाई दी। उन्होंने पिछले एक दशक में भारतीय रेलवे में हुई परिवर्तनकारी प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने निर्माण की तीव्र गति, कश्मीर से कन्याकुमारी रेल लिंक जैसी परियोजनाओं को पूरा करने और पूर्वोत्तर कनेक्टिविटी पहलों का उल्लेख किया । उन्होंने कहा कि 2025 तक 100त्न विद्युतीकरण के लक्ष्य के साथ विद्युतीकरण के प्रयासों में तेजी आई है, जबकि वंदे भारत, नमो भारत और माल ढुलाई गलियारों जैसी परियोजनाओं ने गति पकड़ी है। कवच सुरक्षा प्रणाली को

बड़े पैमाने पर लागू किया गया है। वैष्णव ने स्टेशन पुनर्विकास में उल्लेखनीय प्रगति, परिणामी दुर्घटनाओं में पर्याप्त कमी (345 से 90 तक) और शिकायतों से मुक्त कुशल भर्ती प्रक्रिया, 1.5 लाख पदों को भरने का उल्लेख किया । उन्होने बताया कि रेलवे में स्वच्छता पहलों की प्रशंसा की गई है, जिसमें विपक्षी नेताओं की प्रशंसा भी शामिल है, और एक नया सुपर ऐप जल्द ही यात्रियों के अनुभव में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला है वैष्णव ने बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और यात्रियों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करने के लिए सुरक्षा, रखरखाव, गुणवत्ता और प्रशिक्षण में प्रयासों को तीन गुना करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने रखरखाव नवाचार पर महत्वपूर्ण ध्यान देने की घोषणा की, जिसमें उद्योग सहयोग, उन्नत निरीक्षण प्रणाली और अधिकारियों और तकनीशियनों के लिए बेहतर प्रशिक्षण शामिल है, जिसमें जमीनी स्तर से फीडबैक शामिल है। सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है, अगले वर्ष जीरो डिरेलमेंट वाली ज़ोन जैसी पहलों को शील्ड और वित्तीय पुरस्कारों से प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने सतत प्रगति सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक, नीति सुधारों और संरचनात्मक परिवर्तनों के एकीकरण पर जोर दिया।

अब मटिया महल सीट पर प्रत्याशी बदलेगी आआपा, शोएब इकबाल की जगह उनके बेटे लड़ेंगे चुनाव

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) द्वारा सभी 70 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा के बाद अब प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्र में चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। वहीं, दो प्रत्याशी ऐसे भी हैं जिन्होंने अपनी मर्जी से विधानसभा चुनाव न लड़ने की इच्छा जताई है। दो दिन पहले ही महरौली सीट से मौजूदा विधायक नरेश यादव द्वारा चुनाव लड़ने को लेकर असमर्थता जताने के बाद आम आदमी पार्टी ने इस सीट पर महेंद्र चौधरी को प्रत्याशी बनाया दिया था। अब दिल्ली की मटिया महल विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के मौजूदा विधायक शोएब इकबाल ने अपने बेटे के साथ पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल के आवास पर मुलाकात की। इस दौरान बैठक में दिल्ली के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही शोएब इकबाल ने केजरीवाल से कहा कि इस बार वह चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। इसके बाद केजरीवाल ने कहा कि अगर आप चुनाव नहीं लड़ते हैं तो आले मोहम्मद इक़बाल हमारे प्रत्याशी होंगे।

शोएब इकबाल ने खुद बयान देकर इस बात की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि केजरीवाल आज के समय में सुलझे हुए नेता हैं। उन्होंने बताया कि वो केजरीवाल से इस बार चुनाव न लड़ने के लिए कई कारण भी बताए हैं।

लहर-2024 आर्ट प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के डॉ. बी. आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (पीवीए) के युवा कलाकारों की आर्ट प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए लहर-2024 आर्ट प्रदर्शनी का शानदार आगाज़ हुआ। चाणक्यपुरी स्थित शंकर चिल्ड्रन ट्रस्ट सेंटर में आयोजित प्रदर्शनी में सरकारी स्कूलों के बच्चों द्वारा बनाई गई आर्ट को देखकर लोग उनके मुरीद हो गए। यहां संगीत, विजुअल आर्ट्स, फिल्म मेकिंग, एक्टिंग और मीडिया स्टडीज के क्षेत्र में छात्रों ने अपना हुनर दिखाया। दो दिवसीय प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री आतिशी व पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उद्घाटन किया और बच्चों की प्रतिभाएं देखीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि इस प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा दिखाई गई रचनात्मकता और अभिव्यक्ति बेहद सराहनीय है। इस प्रदर्शनी ने न केवल हमारे बच्चों की प्रतिभा को उजागर किया है बल्कि इन युवा कलाकारों की रचनात्मकता और क्रिटिकल थिंकिंग को भी बढ़ावा दिया है। इन स्कूलों में मिल रहे शानदार एक्सपोज़र द्वारा हम युवा आर्टिस्टों के लिए भविष्य के लिए शानदार मौक़े तैयार कर रहे है। आज हमारे लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है कि, डॉ.बीआर. अंबेडकर स्कूल ऑफ़ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस जिनकी कुछ साल पहले ही शुरुआत हुई, एक सपने के साथ शुरुआत हुई कि सरकारी स्कूलों में भी टैलेंटेड बच्चे पढ़ते है। सरकारी स्कूलों के बच्चे जो ग़रीब परिवारों से आते है उनमें टैलेंट की कोई कमी नहीं है और उनके टैलेंट को सही दिशा मिलनी चाहिए।

100 दिन के सघन तपेदिक उन्मूलन अभियान के तहत अबतक 53 लाख लोगों की स्क्रीनिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने 100 दिन के सघन तपेदिक उन्मूलन अभियान पर सभी राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 100 दिन के इस अभियान के तहत अबतक 53 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई। इनमें से करीब सवा दो लाख लोगों की टीबी की जांच की गई। इस अभियान के तहत टीबी के 22,178 नए मरीज मिले। निर्भय पोषण योजना के तहत 17,621 लाभार्थी हैं। इस बैठक में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, त्रिपुरा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के साथ जुड़े थे। इसके साथ केरल सहित कई राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्री भी बैठक में शामिल हुए। जेपी नड्डा ने सभी प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को इस अभियान की

प्रगति की निगरानी करने, अन्य मंत्रालयों और विभागों को शामिल करने और जागरुकता सुनिश्चित करने के लिए विधान सभाओं और परिषदों के सदस्यों को प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि 2025 तक टीबी उन्मूलन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्रियों और राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बातचीत करते हुए बताया कि राज्यों के पास पहले से ही टीबी की दवाओं का लगभग दो महीने का अग्रिम भंडार है। उन्होंने रेखांकित किया कि केंद्र राज्यों में टीबी दवाओं के कम से कम 6 महीने के अग्रिम स्टॉक को उपलब्ध कराने के लिए आगे काम कर रहा है। इस मौके पर जेपी नड्डा ने कहा कि भारत में टीबी की दर में 2015 के 8.3 प्रतिशत के मुकाबले अब 17.7 प्रतिशत की कमी आई है, जो वैश्विक औसत से काफी अधिक है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 वर्षों में भारत में टीबी के कारण होने वाली मौतों में 21.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आई है। टीबी उन्मूलन की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियों का श्रेय राज्यों को देते हुए केंद्रीय मंत्री ने अभियान के प्रति उनके समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। स्वास्थ्य मंत्री ने टीबी अभियान में राज्य मंत्रियों को बैठकों और रैलियों में अभियान को बढ़ावा देने का अनुरोध किया और उनसे टीबी रोगियों को गोद लेने के लिए नि-क्षय मित्र के रूप में आगे आने का भी आग्रह किया।

विपक्ष ने आंबेडकर को लेकर शाह के बयान को गलत तरीके से किया पेश : मांझी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी ने गत दिनों संसद में हुई अप्रिय घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसके लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही बाबा साहेब का सबसे ज्यादा सम्मान हुआ है। नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष की वजह से जिस तरह की अप्रिय घटना संसद में घटी, वह संसदीय इतिहास में पहली बार हुआ, जब दो सांसदों को हॉस्पिटलाइज होना पड़ा। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए बयान को पब्लिक डोमेन में गलत तरह से पेश किया गया। बाबा साहेब आंबेडकर का जितना सम्मान वर्तमान सरकार में हुआ है वैसा कभी भी कांग्रेसी सरकारों में नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि भले ही विपक्ष केंद्रीय गृह मंत्री की बात न समझ पाई हो लेकिन देश की जनता अच्छी तरह समझती है। मांझी ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को

आरक्षण विरोधी बताते हुए कहा कि अगर उनके द्वारा संविधान सभा में की गई आरक्षण विरोधी बातों को अमल में लाया जाता तो आज देश में कोई भी पिछड़ा और गरीब आगे नहीं बढ़ पाता। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग संविधान निर्माता की तख्तियां लेकर घूम रहे हैं और संविधान पर खतरे की बात कर रहे हैं, उन्हीं के कालखंड में संविधान को सबसे ज्यादा खतरा था। उन्होंने ही सबसे ज्यादा संविधान निर्माता का अनादर किया। उन्होंने कहा कि अभी संविधान पर कोई खतरा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही बाबा साहेब का सबसे ज्यादा सम्मान हुआ है।

भाजपा ने दिल्ली सरकार की डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना पर उठाया सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भजापा) ने दलित छात्रों के लिए आज घोषित दिल्ली सरकार की डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना पर सवाल उठाते हुए इसे पुरानी योजना बताया है। पार्टी का आरोप है कि केजरीवाल सरकार ने 2019 में इस योजना की घोषणा की थी लेकिन आज तक इससे कितने छात्र लाभान्वित हुए, इसकी कोई जानकारी नहीं हैं।

भाजपा की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस घोषणा से संबंधित एक विज्ञापन की प्रति साझा करते हुए लिखा, ÷चुनाव से पहले - हर रोज उठो, नई घोषणा करो, फिर सो जाओ। चुनाव के बाद - सभी घोषणाओं को भूल जाओ और शराब घोटाले में लग जाओ। वैसे इस योजना की घोषणा उन्होंने 2019 में की थी। बड़ा प्रचार करवाया था लेकिन आज तक कितने दलित छात्रों को पढ़ने के लिए विदेश भेजा, उसकी किसी को भी जानकारी नहीं है। दलित छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और विदेश में पढ़ने के लिए आर्थिक सहायता की योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की

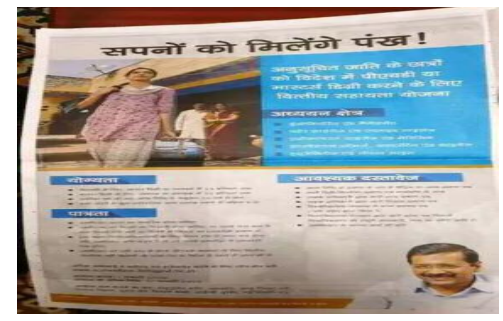

सरकार पिछले दस वर्षों से चला रही है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दलित छात्रों के लिए डॉ. अंबेडकर सम्मान छात्रवृत्ति की घोषणा की। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार विदेश में पढ़ाई के लिए जाने वाले दलित छात्रों की शिक्षा का पूरा खर्च उठाएगी। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी सरकार ने 2019 में विदेश में पढ़ने वाले करीब 100 दलित छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए एक योजना शुरू करने की बात कही थी। इस योजना को वित्तीय वर्ष 2019-20 से लागू करने का प्रस्ताव था।

अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर अगले सप्ताह देशव्यापी अभियान शुरू करेगी कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने आंबेडकर के मुद्दे पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर देशव्यापी आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। प्रमुख विपक्षी पार्टी अगले सप्ताह को आंबेडकर सम्मान सप्ताह के रूप में मनाएगी।

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज यहां एक वक्तव्य में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफ़े की मांग को लेकर हमारा आंदोलन जारी रहेगा। हम मनुस्मृति के उपासकों के खिलाफ बाबासाहेब आंबेडकर की विरासत की रक्षा के लिए लड़ेंगे। कांग्रेस पार्टी आगामी सप्ताह को डॉ. आंबेडकर सम्मान सप्ताह के रूप में मनाएगी। उन्होंने कहा कि सभी कांग्रेस सांसद, वरिष्ठ नेता और कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य 22-23 दिसंबर को देश भर में अपने निर्वाचन क्षेत्रों और गृह जिलों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। 24 दिसंबर को पूरे देश में हम बाबासाहेब आंबेडकर सम्मान मार्च निकालेंगे और अमित शाह के इस्तीफ़े की मांग करते हुए जिला कलेक्टरों के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपेंगे। सभी कांग्रेस कार्यकर्ता बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे और मार्च निकालेंगे। मार्च के दौरान बाबा साहेब आंबेडकर का विशाल चित्र रखेंगे और अपनी प्रमुख मांगों के

साथ बड़ी-बड़ी तख्तियां लेकर चलेंगे। कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने कहा कि 26-27 दिसंबर को हम बेलगावी में एक विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति सत्र और एक मेगा रैली आयोजित करेंगे, जहां हम डॉ. आंबेडकर और उनके आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएंगे। उल्लेखनीय है कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा में संविधान के 75 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने अपने जवाब में बाबा साहेब आंबेडकर के योगदान की सराहना की थी। हालांकि उस दौरान उनके भाषण में 11 सेकेंड के अंश को विवादास्पद बताते हुए कांग्रेस ने उस कथ्य को बाबा साहेब का अपमान करार दिया है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस सत्तारूढ़ भाजपा और अमित शाह पर हमलावर है।

मजदूरों को आर्थिक सहायता नहीं दे रही दिल्ली सरकारः विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली सरकार पर मजदूर विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार कोर्ट के आदेशों की अवहेलना कर भवन निर्माण मजदूरों को आर्थिक सहायता उपलब्ध नहीं करवा रही है। कोर्ट ने दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेप-4 लागू होने के कारण बेरोजगार हुए लाखों श्रमिकों को तुरंत आर्थिक मदद के रूप में प्रत्येक पात्र श्रमिक को आठ हजार रुपये देने का आदेश दिल्ली सरकार को दिया था। लेकिन दिल्ली सरकार के असंवेदनशील रवैये के कारण लाखों मजदूरों के बच्चों को अन्न का निवाला तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण के मद्देनजर एक बार फिर से ग्रेप-4 का दूसरा चरण लागू हो गया है और निर्माण गतिविधियों पर रोक के कारण दिल्ली के 20 लाख मजदूर फिर से बेरोजगार हो गए हैं। उनके परिवारों पर रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने खुद पिछले दिनों दिल्ली बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड में पंजीकृत 90,759 श्रमिकों को 8000 रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता देने का वादा किया था, लेकिन किसी भी मजदूर को 8 हजार रुपये नहीं मिले हैं। गुप्ता ने हैरानी जताई कि सरकार इतनी असंवेदनशील कैसे हो सकती है। ये मजदूर अगर इतने ही पढ़े लिखे होते और अपने बैंक खातों को आधार से लिंक करना जानते तो वो मजदूरी नहीं कर रहे होते। सरकार को इनके प्रति उदारवादी नीति अपनाते हुए इन्हें आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए और आगे के लिए अपना खाता आधार से लिंक करने के लिए उन्हें सलाह दी जानी चाहिए। गुप्ता ने मांग की है कि इन सभी 11 लाख श्रमिकों को भी तुरंत आर्थिक सहायता देकर उनके रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू करवाई जानी चाहिए। गुप्ता ने कहा कि 90,759 रजिस्टर्ड श्रमिकों के साथ-साथ उन श्रमिकों को भी आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए, जिन्होंने जानकारी के अभाव में इस बोर्ड के अंतर्गत अपना रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है या फिर अपना बैंक खाता अपने आधार के साथ नहीं जुड़वाया है।

दिल्ली आबकारी नीतिः एलजी ने अरविंद केजरीवाल पर मुकदमा चलाने के लिए ईडी को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें विधानसभा चुनाव से ऐन पहले बढ़ती नजर आ रही हैं। शुरू से ही विवादों में रही दिल्ली की नई आबकारी नीति के मामले में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मंजूरी दे दी है। ईडी ने इसी महीने के आरम्भ में केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। ईडी ने अपनी जांच-पड़ताल में कथित तौर पर आबकारी नीति को तैयार करने और उसके कार्यान्वयन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार पाया था। इसका उल्लेख इस साल 17 मई को राऊज एवेन्यू कोर्ट में दायर अभियोजन शिकायत संख्या 7 में किया गया था। अदालत ने 9 जुलाई को शिकायत का संज्ञान लिया। ईडी की अभियोजन शिकायत में आरोप लगाया गया है कि केजरीवाल ने साउथ ग्रुप के सदस्यों के साथ मिलकर 100 करोड़ रुपये की रिश्वत ली और टेलर-मेड शराब नीति तैयार करके और उसे लागू करके निजी संस्थाओं को अनुचित लाभ पहुंचाया।इसमें कहा गया है कि

साउथ ग्रुप के लिए विभिन्न शराब की दुकानों में हिस्सेदारी सुनिश्चित की गई थी और उसे आबकारी नीति 2021-22 के उद्देश्यों के विरुद्ध कई खुदरा क्षेत्र रखने की अनुमति दी गई थी। ईडी ने अभियोजन शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि अपराध की आय में से लगभग 45 करोड़ रुपये का इस्तेमाल गोवा चुनावों में केजरीवाल की मिलीभगत और सहमति से आम आदमी पार्टी के प्रचार के लिए किया गया था। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया, आम आदमी पार्टी अपराध की आय की ÷प्रमुख लाभार्थी÷ थी। केजरीवाल पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक तथा राजनीतिक मामलों की समिति और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य होने के नाते अंततः गोवा चुनावों के दौरान धन के उपयोग के लिए जिम्मेदार थे। तत्कालीन मुख्य सचिव नरेश कुमार की आंतरिक रिपोर्ट के आधार पर जुलाई 2022 में एलजी ने दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित प्रक्रियात्मक खामियों और नियमों एवं अधिनियमों के उल्लंघन की सीबीआई जांच की सिफारिश की। केजरीवाल को 21 मार्च, 2024 को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें सितंबर में सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी थी।हालांकि, इस मामले में आम आदमी पार्टी और केजरीवाल खुद को बेकसूर और बेदाग बताते रहे हैं। वह समय-समय पर दावा करते रहे हैं कि दो साल तक चली जांच में 50 हजार पन्नों के दस्तावेज दाखिल किए गए और बड़ी संख्या में छापेमारी की गई लेकिन कोई पैसा बरामद नहीं हुआ।

नमो भारत यात्रियों के लिए किराए पर मिलेगी 10 प्रतिशत छूट

एजेंसी

गाजियाबाद। नमो भारत ट्रेन के यात्रियों के लिए खुशखबरी है अब उन्हें किराए में 10 प्रतिशत की छूट मिल सकेगी इसको लेकर एनसीआरटीसी ने लालित्य प्वाइंट प्रोगाम लॉन्च कर दिया है। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक, शलभ गोयल ने साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन पर वरिष्ठ अधिकारियों और यात्रियों की उपस्थिति में किया। इसके अलावा यात्रियों के लिए द्वि-मासिक न्यूज़लेटर नमो भारत टाइम्स का भी अनावरण किया गया। नमो भारत यात्रियों के साथ जुड़ने और उन्हें नमो भारत टिकटों पर 10प्रतिशत की छूट के लिए, एनसीआरटीसी ने 'आरआरटीएस कनेक्ट' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से लॉयल्टी पॉइंट्स कार्यक्रम की शुरूआत की है। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि लॉयल्टी पॉइंट्स प्रोग्राम के तहत, यात्रियों को नमो भारत ट्रेन टिकट पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये के बदले 1 अंक प्राप्त होगा। प्रत्येक लॉयल्टी पॉइंट का मूल्य ?0.10 (10 पैसे) है और इसे यात्रियों के 'आरआरटीएस कनेक्ट' खाते में जमा किया जाएगा। इन पॉइंट्स का प्रयोग भविष्य में टिकट खरीदने के लिए किया जा सकेगा।इस पहल से न केवल यात्रियों को आर्थिक लाभ होगा, बल्कि आरआरटीएस कनेक्ट ऐप के माध्यम से डिजिटल क्यूआर टिकट के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। पेपरलेस टिकटिंग के माध्यम से यह यात्रा को भी सरल बनाएगा। यह पर्यावरण अनुकूल उपाय एनसीआरटीसी के तेज, विश्वसनीय, सुरक्षित, आरामदायक, कुशल और सतत गतिशीलता समाधान प्रदान करके लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। 'आरआरटीएस कनेक्ट' ऐप डाउनलोड करने वाले प्रत्येक नए उपयोगकर्ता को 500 लॉयल्टी पॉइंट प्रदान किए जा रहे हैं 50 रुपये के बराबर हैं। यात्री 'आरआरटीएस कनेक्ट' ऐप को अन्य उपयोगकर्ताओं को रेफर करके अतिरिक्त 500 लॉयल्टी पॉइंट भी अर्जित कर सकते हैं। रेफर करने वाले और जिसे रेफर किया गया है, दोनों को 500 लॉयल्टी पॉइंट प्राप्त होंगे जो 50 रुपये के बराबर हैं, जिन्हें उनके संबंधित खातों में जमा किया जाएगा। सभी अर्जित लॉयल्टी पॉइंट क्रेडिट होने की तारीख से एक वर्ष तक वैध रहेंगे, जो निरंतर और सतत यात्रा और निरंतर ऐप के प्रयोग को प्रोत्साहित करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

विद्रोहियों ने सीरियाई जेल में बंद कैदियों को किया रिहा, दिखाई मानवता

वाशिंगटन

अमेरिकी सेना ने सीरिया की जेल से रिहा किए अमेरिकी नागरिक को बाहर निकाल लिया है। अमेरिका अधिकारी ने बताया कि सात महीने पहले लापता हुए अमेरिकी नागरिक को पूर्व राष्ट्रपति बशर असद की कुख्यात जेल में रखा था और वह उन हजारों लोगों में से एक था, जिन्हें विद्रोहियों द्वारा इस सप्ताह रिहा किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ट्रैविस टिमरमैन को अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर के जरिये सीरिया से बाहर निकाला है। रिहा हुए टिमरमैन ने बताया कि वह तीर्थयात्रा पर सीरिया गया था और हिरासत में रखे जाने के दौरान उसके साथ किसी भी तरह का बुरा व्यवहार नहीं किया गया। अमेरिकी नागरिक ने बताया कि विद्रोहियों ने जेल में आकर हथौड़े से दरवाजा तोड़कर उसे मुक्त कराया है। यह विद्रोहियों की मानवता को दर्शाता है। उन्हें खाने पीने का सामना भी मुहैया कराया गया। उसने बताया कि उसे सोमवार सुबह एक सीरियाई युवक और 70 महिला कैदियों के साथ रिहा किया गया है, जिनमें से कुछ के साथ उनके बच्चे भी थे। जेल में उन्हें किसी भी तरह की यातना नहीं दी गई न बुरा व्यवहार किया गया।

बायरू होंगे फ्रांस के नए पीएम, राष्ट्रपति ने नई सरकार बनाने का जिम्मा सौंपा

पेरिस,

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस्वा बायरू को पीएम के रूप में नामित किया है। वे तीन महीने में फ्रांस के दूसरे पीएम होंगे। फ्रांस के दक्षिणपंथी और वामपंथी सांसदों ने पिछले सप्ताह अविश्वास प्रस्ताव पर एक साथ मिलकर मतदान किया था, जिसके बाद पीएम माइकल बार्नियर और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को इस्तीफा देना पड़ा था।

मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन में महत्वपूर्ण साझेदार बायरू दशकों से फ्रांसीसी राजनीति में एक अहम स्थान रखते हैं। उनके राजनीतिक अनुभव को देश में स्थिरता बहाल करने के प्रयासों के लिए जाना जाता है, क्योंकि नेशनल असेंबली में किसी भी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। मैक्रों ने पिछले सप्ताह अपने कार्यकाल 2027 तक पद पर बने रहने का संकल्प जताया था। मैक्रों के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बायरू को नई सरकार बनाने का जिम्मा सौंपा गया है।

उम्मीद है कि बायरू आने वाले दिनों में नए मंत्रियों के चयन के लिए कई दलों के नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। यह कार्य चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन के पास संसद में बहुमत नहीं है और बायरू के मंत्रिमंडल को सत्ता में बने रहने के लिए वामपंथी और दक्षिणपंथी दोनों पक्ष के उदारवादी सांसदों पर निर्भर रहना होगा। कुछ रूढ़िवादियों के नई सरकार का हिस्सा बनने की उम्मीद है। बायरू को हाल में यूरोपीय संसद के धन के गबन के आरोप में बरी कर दिया गया था। बायरू फ्रांसीसी जनता के बीच तब लोकप्रिय हुए जब वह 1993 से 1997 तक सरकार में शिक्षा मंत्री थे। वह तीन बार 2002, 2007 और 2012 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे थे।

फ्लाइट्स में देरी के चलते इस्तांबुल एयरपोर्ट पर दो दिनों से फंसे हैं 400 भारतीय यात्री

इस्तांबुल

इस्तांबुल से भारत आने वाले करीब 400 यात्री एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं। उनकी फ्लाइट देरी से आने की उन्हे सूचना नहीं दी गई। यात्रियों का आरोप है कि खाने पीने से लेकर कई तरह की अव्यवस्थाओं से जूझ रहे हैं। इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट्स में देरी और तकनीकी खामी की वजह से यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इन यात्रियों ने सोशल मीडिया के जरिए अपने अनुभव साझा कर एयरलाइन की कड़ी आलोचना की है।

परेशान यात्रियों में से शुभम बंसल ने लिखा, हम 400 लोग इस्तांबुल एयरपोर्ट पर फंसे हैं और इंडिगो से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही। क्या एयरलाइन ऐसे चलाई जाती है? यात्रियों का कहना है कि इंडिगो ने न तो समय पर जानकारी दी और न ही उनके ठहरने या भोजन की कोई व्यवस्था की। इस्तांबुल में ठंड के मौसम ने उनकी समस्याएं और बढ़ा दी हैं। पार्श्व मेहता, जिन्हें मुंबई जाना था, ने बताया कि फ्लाइट में बार-बार देरी की सूचना टर्किश एयरलाइंस के क्रू से मिली, जबकि इंडिगो ने कोई संवाद नहीं किया। सोशल मीडिया पर यात्रियों ने एयरलाइन की बेसिक कस्टमर सर्विस में नाकामी को लेकर जमकर आलोचना की। उनका कहना है कि इंडिगो को यात्रियों से माफी मांगनी चाहिए और उचित मुआवजा देना चाहिए। इस्तांबुल में हुई इस घटना ने इंडिगो की सेवा गुणवत्ता और प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक अन्य यात्री अनुश्री भंसाली ने बताया कि फ्लाइट की पहले 1 घंटे की देरी हुई, फिर रद्द कर दिया गया, और अंततः 12 घंटे बाद रिशेड्यूल किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि एयरपोर्ट पर खाने-पीने की व्यवस्था तक नहीं की गई, और इंडिगो का कोई प्रतिनिधि उनसे संपर्क करने नहीं आया। अनुश्री ने अपनी थकान और बुखार का जिक्र करते हुए एयरलाइन के व्यवहार को असंवेदनशील बताया। इसी बीच, शुक्रवार रात इंडिगो ने एक बयान जारी कर तकनीकी खराबी को देरी का कारण बताया। एयरलाइन ने कहा कि तकनीकी समस्याओं के कारण इस्तांबुल से दिल्ली और मुंबई आने वाली फ्लाइट्स में देरी हुई। हमने यात्रियों को यथासंभव सूचना और सहायता प्रदान की।

शेयर बाजार में तेज उछाल, सेंसेक्स 843 अंकों की बढ़त के बाद बाजार बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजारों ने शुक्रवार को शुरूआती गिरावट के बाद तेजी से वापसी कर दिन के कारोबार के अंत में ऊंचाई पर बंद हुए। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को दूसरे भाग में तेजी से उबरकर मामूली लाभ के साथ सप्ताह का अंत हुआ। सेंसेक्स 843.16 अंक की बढ़त के साथ 82,133.12 अंक पर बंद हुआ, और निफ्टी50 219.60 अंक की बढ़त के साथ 24,768.30 अंक पर बंद हुआ। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, सेक्टोरल इंडेक्स में, एफएमसीजी, निजी बैंक और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सबसे अधिक तेजी वाले रहे, जबकि मीडिया, मेटल और फार्मा सबसे अधिक गिरावट वाले रहे। बाजार जानकारों ने कहा कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी और एफएमसीजी कंपनियों द्वारा कीमतों में वृद्धि, साथ ही मूल्यांकन में हालिया सुधार ने इस क्षेत्र को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की। घरेलू बाजार इंडेक्स हेवीवेट्स के नेतृत्व में दिन के निचले स्तर से तेजी से उबर गया और कंसोलिडेशन के रास्ते से बाहर निकल गया। वर्तमान में, बाजार को उपभोक्ता खर्च में सुधार की उम्मीद है, जो त्यौहारी सीजन और वर्ष के अंत की छुट्टियों के कारण बढ़ रहा है। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी खर्च में वृद्धि की उम्मीद आईटी क्षेत्र को आगे बढ़ा रही है। नवंबर में भारत की खुदरा महंगाई 5.48 प्रतिशत थी, जबकि अक्टूबर में यह 6.21 प्रतिशत थी, जो भारतीय रिजर्व बैंक के 2-6 प्रतिशत के कंफर्ट बैंड में आ गई।

नई जनरेशन कार डस्टर का सोल ऑफ डकार एडिशन पेश

नई दिल्ली

रेनो कंपनी की सिस्टर ब्रांड डेसिया ने नई जनरेशन डस्टर का सोल ऑफ डकार एडिशन पेश किया है। कंपनी की यह एक शो कार है, जिसे कंपनी भविष्य में शोरूम मॉडल के रूप में लॉन्च करने की योजना बना रही है।

भारतीय बाजार में नई डस्टर के 2025 की दूसरी छमाही में लॉन्च होने की संभावना है। यह एसयूवी सीएमएफ-बी प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिसे रेनो, निसान और डेसिया ने मिलकर तैयार किया है। नई डस्टर का डिजाइन पूरी तरह से दमदार और ऑफ-रोडिंग क्षमताओं के अनुकूल है। इसमें वाय-शेप एलईडी हेडलाइट्स, वर्टिकल एयर इनलेट्स, चौकोर व्हील आर्च, वी-शेप टेललाइट्स और नया फ्रंट बंपर दिया गया है। एसयूवी की लंबाई 4340 मिमी और व्हीलबेस 2657 मिमी है। यह 5 और 7-सीटर वेरिएंट्स में उपलब्ध होगी। डस्टर के इंटीरियर में डबल-लेयर डैशबोर्ड, 7 इंच और 10.1 इंच की डिजिटल स्क्रीन, वायरलेस चार्जिंग, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल और आर्कमिस 3डी साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स शामिल हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें ऑटोमेटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग और एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

नई डस्टर में तीन इंजन विकल्प होंगे, जिनमें 1.3-लीटर टर्बो पेट्रोल, 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.2-लीटर हाइब्रिड पेट्रोल (170 बीएचपी, 200 एनएम) शामिल हैं। इन इंजनों को 5-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। एसयूवी की अनुमानित कीमत रुपए 20 लाख (एक्स-शोरूम) हो सकती है। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, टाटा हैरियर, स्कोडा कुशाक और मारुति ग्रैंड विटारा जैसी लोकप्रिय एसयूवीएस से होगा।

टीवीएस ने पेश किया रोनिन 2025 एडिशन

नई दिल्ली

अपने वार्षिक इवेंट मोटोसोल 4.0 में टीवीएस मोटर कंपनी ने रोनिन 2025 एडिशन को पेश किया है। कंपनी ने इस एडिशन में डुअल-चैनल एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम जोड़ा है, जिससे बाइक की सुरक्षा में बड़ा सुधार हुआ है। यह अपडेटेड बाइक सेफ्टी, डिजाइन और रंग विकल्पों में खास बदलावों के साथ आई है।

डिजाइन में किए गए बदलाव इसे न सिर्फ और आकर्षक बनाते हैं बल्कि इसकी व्यावहारिकता भी बढ़ाते हैं। टीवीएस रोनिन के 2025 एडिशन में ग्राहकों को दो नए कलर विकल्प–ग्लेशियर सिल्वर और चारकोल एम्बर मिलेंगे। ग्लेशियर सिल्वर वेरिएंट में डुअल-टोन डार्क ग्रे और सिल्वर पेंट स्कीम है, जिसमें पीले रंग की पट्टियां दी गई हैं। वहीं, चारकोल एम्बर वेरिएंट में लाइट ग्रे और डार्क ब्लू के साथ लाल ग्राफिक्स जोड़े गए हैं। इसमें 225.9सीसी का एयर और ऑयल-कूल्ड सिंगल-सिलेंडर इंजन है, जो 20.1एचपी की पावर और 19.93एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन स्लिप और असिस्ट क्लच के साथ 5-स्पीड गियरबॉक्स से लैस है। टीवीएस ने बताया है कि रोनिन 2025 एडिशन को जनवरी 2025 में लॉन्च किया जाएगा। ग्राहक इसे टीवीएस की वेबसाइट या नजदीकी डीलरशिप पर बुक कर सकते हैं।

लॉन्च के बाद यह कावासाकी डब्ल्यू 175 और रॉयल एनफील्ड हंटर 350 को कड़ी टक्कर देगी। कंपनी ने अन्य लोकप्रिय रंग विकल्प जैसे मैग्मा रेड, गैलेक्टिक ग्रे, डॉन ऑरेंज, निम्बस ग्रे और मिडनाइट ब्लू को भी बरकरार रखा है। बाइक में लंबा स्मोक्ड वाइजर, ब्लैक-आउट फ्लाई स्क्रीन, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और पूरी तरह से ब्लैक इंजन केस, फेंडर और एग्जॉस्ट जोड़ा गया है।

आधी दुनिया हर महीने ऐंठते पेट के साथ भी तनकर बैठने को मजबूर

न्यूयार्क सिटी

लंदन की संसद में वीमन एंड इक्वैलिटी कमेटी ने खुलासा किया है जिसके मुताबिक उनके यहां महिलाओं के पीरियड पेन को हल्का-फुल्का मानते हुए खुद डॉक्टर ही खारिज कर रहे हैं। पीरियड पेन को लेकर अगर कोई डॉक्टर के पास जाती है तो लौटा दिया जाता है। ये हाल लंदन से लेकर न्यूयॉर्क, और दिल्ली से लेकर खारतूम तक एक जैसा है। कोई घर न बैठा दे इसलिए कितनी ही बच्चियां स्कूल के रास्ते में छेड़ी जाकर भी चुप रहती हैं। घर न बैठना पड़े इसलिए कितनी ही महिलाएं अनचाही छुअन सहती हैं। घर न बैठना पड़े इसलिए आधी दुनिया हर महीने ऐंठते पेट के साथ भी तनकर बैठने को मजबूर है या फिर सीने के दर्द में गैस की दवा खाकर बेमौत मर जाती हैं।

दिलचस्प बात ये है कि इसपर चर्चा भी सालों से हो रही है कि आखिर क्यों महिलाओं के दर्द को चुटकुला या बहाना समझा जाता है। कई अध्ययन हो चुके हैं और सैकड़ों रिपोर्ट्स छप चुकी है, लेकिन मामला वहीं अटका है, जहां सदियों पहले शुरू हुआ था। वह पीरियड ब्लड गलती से भी छू जाए तो लहलहाती फसल सूख जाती है। पशु मर जाते हैं। फलों से लदा पेड़ मुरझा जाता है। यहां तक कि पीतल पर जंग लग जाता है।

रोमन दार्शनिक और प्राकृतिक चिकित्सक प्लिनी द एल्डर ने पीरियड्स के बारे में जब ये कहा तो बहस की कोई वजह नहीं थी। सीधी-सी बात है महीने के कुछ रोज स्त्री को काबू में रखा जाए ताकि दुनिया बेपटरी न हो। यही हुआ। पहले से ही सिकुड़कर जीती महिलाएं और सिमट गई लेकिन बात खत्म नहीं हुई। साल 1874 में एक अखबार में छपा एक आर्टिकल धूम मचा रहा था। उसके लेखक हेनरी मॉल्डस्ले को ब्रिटेन समेत यूरोप में बुलाया जाने लगा कि वे बोलें जिससे बागी महिलाएं काबू में आ जाएं।

आर्टिकल में लिखा था स्त्री-पुरुष की तुलना दो बराबर के शरीर और दिमागों की तुलना नहीं है। महिलाएं महीने के कुछ दिन और जिंदगी के बहुत-सारे साल किसी बच्चे से भी कमजोर और मूर्ख हो जाती हैं। लंबी सैर या ज्यादा खाना खा लेने तक से पीरियड्स का डर और बढ़ जाता है। तो स्त्रियां आराम करें, और हल्का खाएं। एक तरफ हल्का भोजन- उच्च विचार पर पर्चे रंगे जा रहे थे, दूसरी तरफ कुछ महिलाएं पढ़ने-लिखने लगीं। लंबी सैर करते हुए वे मेडिकल कॉलेजों तक पहुंच गईं और डिग्री पाने लगीं।

पुरुष एकमत हुए और साल 1873 में लंदन ऑब्सटेट्रिकल सोसायटी ने महिलाओं को अस्पतालों में रैंक लेने से रोकने के लिए वोट कर दिया। डॉक्टरों के तरकश में वही घातक तीर था- पीरियड्स में महिलाएं बेकार हो जाती हैं। वे अपना दर्द संभालेंगी या मरीज को? महिला डॉक्टरों को इस तर्क के साथ घर बैठा दिया गया यानी एक तरफ दर्द को मानने से ही इनकार कर दिया, दूसरी तरफ इसके हवाले से बंदिशें भी लगा दी गईं।

साल 2023 में भारत में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता का कहना था कि कामकाजी महिलाओं को पीरियड लीव मिलनी चाहिए। इस पर तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि मेन्सट्रुअल लीव के कई पहलू हैं। लीव का प्रावधान बना देने से ये भी हो सकता है कि कंपनियां महिलाओं को काम पर रखने से कतराने लगें। पीठ ने तमाम सहानुभूति रखते हुए भी इस मामले में सीधा फैसला लेने से इनकार करते हुए कह दिया कि केंद्र चाहे तो ये निर्णय ले सकती है, हम बीच में नहीं पड़ेंगे।

नीदरलैंड ऐसा देश है जहां स्त्री-पुरुष बराबरी पर हैं, चार साल पहले वहां के एक सर्वे में निकला कि पीरियड से गुजर रही सिर्फ 14 फीसदी महिलाएं ही छुट्टियां लेती हैं। इसमें भी केवल 20 फीसदी ही बॉस से असल वजह बता पाती हैं। ज्यादातर महिला कर्मचारियों को हर महीने एकाध दिन या तो बुखार आ जाता है, या फिर कोई फैमिली इमरजेंसी।

दूसरा विश्व युद्ध खत्म होते ही जापान ने अपने यहां पीरियड लीव पॉलिसी लागू कर दी। वह चाहता था कि युद्ध में घर-बाहर संभालती थक चुकी महिलाएं थोड़ा आराम करें। इस बात को 70 साल से ज्यादा हो गए, लेकिन वहां हालात और खराब हैं। टोक्यो के फाइनेंशियल अखबार का सर्वे बताता है कि वैसे तो जापान की 48 फीसदी महिलाएं दर्द से निढाल रहती हैं लेकिन काम से छुट्टी नहीं ले पातीं। वजह? पीरियड्स पर छुट्टी मांगती महिलाएं या तो झूठी है, या नाकाबिल या फिर कमजोर।

साल 2003 से अगले 10 सालों में इंग्लैंड और वेल्स में करीब साढ़े हजार महिलाओं की इसमें जान चली गई क्योंकि उनके पास बने लोगों को अंदाजा ही नहीं था कि महिलाओं को भी सीने में दर्द हो सकता है, या फिर उन्हें दिल का दौरा पड़ सकता है। ज्यादातर महिलाओं को घर पर ही गैस की दवा के साथ कुछ काम-धाम करने का नुस्खा थमा दिया गया। बकौल डॉ कॉमिन महिलाएं लगातार शर्मिंदा होती रहती हैं। अपने बीमार होने पर, बीमारी के खुलासे पर, दवाओं के खर्च पर, कमजोरी में घर या बाहर न संभाल पाने पर यहां तक कि वक्त से पहले मरते हुए भी उन्हें ये बात सातती है कि वे अपनी जिम्मेदारी छोड़कर जा रही हैं।

इसी तजुर्बे के बाद डॉ कॉमिन ने एक किताब लिखी- ऑल इन हर हेड...इसमें उन्होंने बताया कि कैसे सदियों से महिलाओं की बीमारियों को वहम कहकर टाला जाता रहा।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

मुंबई

वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों और फेड पॉलिसी से पहले भारतीय सूचकांक लगातार चौथे सप्ताह बढ़त लेकर बंद हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि बीते सप्ताह एफआईआई की खरीदारी, सीपीआई और आईआईपी आंकड़ों ने भी बाजार को साप्ताहिक गिरावट को कम करने में मदद की। बीते सप्ताह शेयर बाजार में सप्ताह भर उतार- चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। एशियाई बाजारों में कमजोर रुख के बीच शुरूआती घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को उतार-चढ़ाव का माहौल देखा गया। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 151.36 अंक की गिरावट के साथ 81,557.76 अंक पर खुला और 200.66 अंकों की गिरावट के बाद 81,508.46 पर बंद हुआ।

एनएसई निफ्टी भी बढ़त के साथ खुलने के बाद शुरूआती सौदों में 37.45 अंक फिसलकर 24,640.35 अंक पर खुला और 58.80 अंक टूटकर 24,619.00 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को सपाट स्तर पर खुले। सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 35.71 अंक की बढ़त के साथ 81,544.17 अंक पर खुला और .59 अंक गिरकर 81,510.05 पर बंद हुआ। निफ्टी 13.25 अंक चढ़कर 24,632.25 अंक पर खुला और 8.95 अंक की गिरावट के साथ 24,610.05 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 19.22 अंक की बढ़त के साथ 81,529.27 अंक पर खुला और 13.34 अंकों की गिरावट के साथ 81,496.70 पर बंद हुआ। निफ्टी 21.55 अंक चढ़कर 24,631.60 अंक पर खुला और 20.25 अंकों की गिरावट के साथ 24,630.30 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भी सपाट ही खुला। सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 83.73 अंक चढ़कर 81,609.87 अंक पर खुला और 236.18 अंक कमजोर होकर 81,289.96 पर बंद हुआ। निफ्टी 12 अंक की बढ़त के साथ 24,604.45 अंक पर खुला और 93.10 अंक टूटकर 24,548.70 पर बंद हुआ। शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में बड़ी गिरावट के बाद बाजार ने पलटी मार दी है। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बिकवाली के बाद संभले और हरे निशान पर लौट आए। दोपहर बाद सेंसेक्स 321.00 अंक चढ़कर 81,537.48 पर पहुंच गया और 843.16 अंक उछलकर 82,133.12 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 88.75 अंक चढ़कर 24,637.45 पर खुला और 88.75 अंक चढ़कर 24,637.45 पर बंद हुआ।

सीरिया में तख्तापलट के बाद अब इस्लामिक स्टेट के दोबारा लौटने का डर

दमिश्क

सीरिया में विद्रोहियों के कब्जा हो गया है। विद्रोही संगठनों ने राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार गिरा दी जिससे असद को देश छोड़कर भागना पड़ा। अब देश की कमान अस्थाई तौर पर हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के हाथों में है। अब डर ये है कि सत्ता के खाली रहते हुए कहीं ये देश आतंकी ताकतों का ठिकाना न बन जाए। इसमें भी इस्लामिक स्टेट के दोबारा लौटने का डर है, जिसे देखते हुए अमेरिका अभी से खाली जगहों पर हमले कर रहा है।

इस्लामिक स्टेट की नींव सीरिया में शुरू हुए सिविल वॉर के दौरान पड़ी थी। तब वहां अलकायदा तैयार हुआ जो एक तरह का अंब्रेला संगठन था। इसके नीचे कई छोटे-छोटे समूह थे। इन्हीं में से एक था अल-कायदा इन इराक। इसके लड़ाके ज्यादा आक्रामक, और खतरनाक थे। ताकत बढ़ती गई और बाद में इसने खुद को अलग तरह से तैयार कर लिया। इसका नाम भी अल-कायदा इन इराक से बदलकर इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड लेवेंट (आईएसआईएस) हो गया।

2011 से अगले चार ही सालों के अंदर इस्लामिक स्टेट ने सीरिया के सभी बड़े शहरों पर कब्जा कर लिया। यहां तक कि इराक में भी उसकी तूती सुनाई देने लगी। कुल मिलाकर करीबए एक लाख वर्ग किलोमीटर की टैरिटरी पर इसका राज चलता था, जबकि आसपास के इलाकों में भी असर दिखने लगा था। 2016 से अगले सालभर के लिए अमेरिका समेत कई देशों ने मिलकर सीरिया और इराक में सैन्य अभियान चलाया और इस्लामिक स्टेट को खत्म करने में जुट गए। आखिरकार 2017 तक इसने सीरिया और इराक में अपना इलाका खो दिया। अगले कुछ समय में पूरे देश को ही इस्लामिक स्टेट मुक्त घोषित कर दिया गया।

आईएस ने अपना अधिकतर कब्जा खो दिया है, लेकिन यह पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। सीरिया के रेगिस्तान और इराक के कुछ दूरदराज के इलाकों में आईएस के लड़ाके अभी भी हैं और छिटपुट हमले करते हैं। वे रेगिस्तान में गुफाओं, सुरंगों और गांवों में छिपे हैं, जहां सेना नहीं पहुंच पाती है। इराक और सीरिया बॉर्डर भी इनके लिए शरणस्थली बना गया है, जो खुफिया है। यूफ्रेटिस नदी घाटी का एक हिस्सा भी इन्हीं लड़ाकों का गढ़ है।

सीरिया में में तेल और गैस के बड़े भंडार हैं। इस्लामिक स्टेट इनपर कब्जा करके अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना चाहता है। यही वजह है कि वह यहां से भागकर भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अमेरिकी सैनिक तेल भंडारों के आसपास हैं लेकिन असद सरकार के गिरने के साथ उनकी हालत भी कमजोर हो गई है। सैनिकों के साथ और भी कई चुनौतियां हैं, स्थानीय लोग उनके विरोध में हैं। सीरिया और इराक के चरमपंथी गुटों को कई और देशों का समर्थन मिला हुआ हैं, जिससे आर्मी की मजबूती पर असर हो रहा है। इसके अलावा खुद अमेरिका अपने सैनिकों को वापस बुलाने की मांग उठ रही है, जिससे उनकी संख्या कम होती चली गई। अब सत्ता शून्यता में इस्लामिक स्टेट फिर सिर न उठाए, इसे लेकर अमेरिका अलर्ट हो चुका है। यही वजह है कि दोनों देशों के बॉर्डर पर स्थित इस्लामिक स्टेट के ठिकानों पर हवाई हमले किए। ये अटैक पहली बार नहीं हुआ है। अमेरिका सुपरपावर होने के नाते वह बीच-बचाव या हस्तक्षेप को अपनी नैतिक जिम्मेदारी मानता है। कई आर्थिक, सामरिक हित भी हैं। जैसे तेल और गैसों के भंडार एक बड़ा कारण हैं, जिसके चलते यूएस को सीरिया में इतनी दिलचस्पी है।

सीरिया में मात्र 40 हजार के हथियार ने असद का तख्ता पलटा

दमिश्क

सीरिया की सरकार को गिराने का प्लान तो बहुत पहले से ही बन गया था। रिपोर्ट के मुताबिक गोलानी की अगुवाई में एचटीएस ने सीरिया के इदलिब से आगे बढ़े. उससे 4-5 हफ्ते पहले ही यूक्रेन ने 150 फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन हयात तहरीर अल शाम के गढ़ इदलिब में भेज दिए थे। साथ ही अपने 20 ड्रोन ऑपरेटर को भी आगे बढने से पहले ही पूरा ब्लू प्रिंट तैयार किया गया और फिर अटैक। फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन जो कि कीमत में भी 40 हजार रुपये से भी कम का है,लेकिन इसने बेशकीमती सैन्य उपकरण को नष्ट किया।

इस ड्रोन को ऑपरेट करने के लिए किया ऐसी कमॉड एंड कंट्रोल सेंटर की जरूरत नहीं बल्कि दुश्मन के इलाके के महज तीन से पाँच किलोमीटर दूर किसी भी बंकर में बैठकर ऑपरेट किया जा जाता है। यूक्रेन ने इस ड्रोन से रूस को भी मैदाने जंग में नुकसान पहुंचाया। आकार में छोटे ये ड्रोन बहुत तेज रफतार से उडान भरता है। ड्रोन को आपरेट करने वाले को पायलट कहते है। जो हाथों में कंट्रोल और वीआर हेडसेट लगाकर उसे आपरेट करता है। इसमें लगा कैमरा पायलट को लाइव फीड भेजता रहता है। इस ड्रोन का नेविगेशन केपेब्लिटी जबरदस्त है। इसकी रेंज 6 से 7 किलोमीटर की है। इस ड्रोन के जरिए विस्फोटक भी दागे जा सकते है। पहले इन ड्रोन के रेसिंग के लिए इस्तेमाल में ला जाते थे लेकिन अब इनका इस्तेमाल जासूसी, टार्गेट को पहचानने और डायरेक्ट स्ट्राइक के लिए किया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन के इंटेलिजेंस एजेंसी के अधिकारियों ने इदलिब का दौरा किया था और कुछ समय वहाँ गुजारा भी था।

कार्ल हॉपकिंसन को मुंबई इंडियंस का नया फील्डिंग कोच बनाया गया

मुंबई

पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने कहा कि टीम ने आईपीएल 2025 से पहले कार्ल हॉपकिंसन को अपना नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। हॉपकिंसन ने जेम्स पैमेंट की जगह ली है, जो सात साल तक मुंबई इंडियंस के फील्डिंग कोच रहे थे। न्यूजीलैंड के मूल निवासी पैमेंट 2019 और 2020 में मुंबई इंडियंस की लगातार खिताबी जीत का हिस्सा थे। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी ने कहा, हम उन्हें धन्यवाद देते हैं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देना चाहते हैं। हॉपकिंसन ने हाल ही में इंग्लैंड के लंबे समय से चले आ रहे फील्डिंग कोच के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त किया है, यह भूमिका उन्होंने 2018 में संभाली थी। वे 2019 में घरेलू धरती पर इंग्लैंड के वनडे विश्व

कप और नवंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप जीत में शामिल थे। हॉपकिंसन वेस्टइंडीज में 2022 में अंडर19 विश्व कप में इंग्लैंड अंडर19 टीम के मुख्य फील्डिंग कोच भी थे, जहां वे 1998 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने के बाद भारत के बाद उपविजेता रहे।

हॉपकिंसन ने 64 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिसमें 2,705 रन बनाए और 27.60 की औसत से रन बनाए, जिसमें तीन शतक भी शामिल हैं। उन्होंने 92 लिस्ट ए मैचों में 1,400 रन और 28 टी20 मैचों में 165 रन बनाए, इसके अलावा 2007 में काउंटी चैंपियनशिप जीतने वाली ससेक्स के अहम सदस्य भी रहे। फील्डिंग कोच के रूप में उनका काम अब बंद हो चुकी चैंपियंस लीग टी20 में ससेक्स टीम के साथ शुरू हुआ, 2010 से टीम के कोचिंग स्टाफ के साथ जुड़े रहे।

आईपीएल 2025 के लिए, मुंबई के पास रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की मजबूत भारतीय चौकड़ी के साथ हार्दिक पांड्या कप्तान है। जेद्दा में पिछले महीने की मेगा नीलामी में, मुंबई ने ट्रेंट बोल्ट, विल जैक्स, रयान रिकलेटन, मिशेल सेंटनर, लिजाद विलियम्स और रीस टॉपली जैसे अनुभवी विदेशी खिलाड़ियों को शामिल किया। उन्होंने दीपक चाहर, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, राज अंगद बावा जैसे भारतीय खिलाड़ियों के साथ-साथ अल्लाह गजनफर, बेवॉन जैकब्स, विग्नेश पुथुर और वेंकट सत्यनारायण राजू जैसे कम प्रसिद्ध खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया।

बाबर टी20 में सबसे तेजी से 11000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

सेंचुरियन

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में 31 रनों की पारी के साथ ही एक अहम अपने नाम कर ली है। बाबर अब टी20 प्रारुप में सबसे तेजी से 11000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अपनी पारी के दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के आतिशी बल्लेबाज क्रिस गेल के रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। दाएं हाथ के बल्लेबाज बाबर ने यह रिकॉर्ड 298 पारियों में बनाया जबकि गेल को टी20 में 11000 रन बनाने के लिए 314 पारियां खेलनी पड़ी थीं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने इस आंकड़े तक पहुंचने 330 पारियां जबकि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विरराट कोहली ने 337 पारियां खेली थीं।

बाबर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 20 गेंदों में 31 रन बनाए। उनकी इस पारी में 3 चौके और एक छक्का शामिल था। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड भारत के रोहित शर्मा के नाम है। रोहित ने टी20 इंटरनेशनल में 4231 रन बनाए हैं। वहीं बाबर को रोहित का रिकार्ड तोड़ने 10 रन की जरूरत है। बाबर ने 128 मैचों में 4221 रन बनाए हैं। बाबर के नाम टी20 अंतराष्ट्रीय में 3 शतक और 36 अर्धशतक है। बाबर इंटरनेशनल क्रिकेट में 14000 रन बनाने वाले पाकिस्तान के पांचवें बल्लेबाज हैं। इस सूची में इंजमाम उल हक, यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ और जावेद मियांदाद हैं।

गिलेस्पी का पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा

लाहौर

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें साल 2024 अप्रैल में पाकिस्तान टेस्ट टीम का मुख्य कोच बनाया गया था। गिलेस्पी के इस्तीफे के बाद, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आकिब जावेद को टेस्ट टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया है।

गिलेस्पी की आखिरी कोचिंग सीरीज में, पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी कर जीत हासिल की थी। फिलहाल, पाकिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेल रहा है। इसके बाद तीन वनडे और फिर बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) से सेंचुरियन में दो टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होगी। अब जावेद का पहला काम इस दौरे के तहत द.अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज की कोचिंग होगा। पहला टेस्ट मैच 26 से 30 दिसंबर के बीच सुपरस्पोर्ट पार्क, सेंचुरियन में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 3 से 7 जनवरी तक न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड, केपटाउन में होगा।

पाकिस्तान फिलहाल आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के प्वाइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर है और अगले साल के फाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है। इस साइकिल में उनके पास चार टेस्ट मैच बाकी हैं। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर है और हाल ही में श्रीलंका को 2-0 से हराने के बाद फाइनल में जगह बनाने की प्रबल दावेदार बन गया है। जावेद पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज हैं जिन्होंने 22 टेस्ट मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया है।

गाबा में तीसरे टेस्ट को लेकर आस्ट्रेलिया टेंशन में, भारत दे चुका है करारी शिकस्त

नई दिल्ली

भारत-आस्ट्रेलिया का तीसरा टेस्ट गाबा में होने वाला है जिसको लेकर आस्ट्रेलिया ने टीम का ऐलान भी कर दिया है। गाबा वह मैदान है जहां आस्ट्रेलिया को हराना मुश्किल होता है लेकिन 2021 में गाबा में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया था। यह बात रोहित ब्रिगेड का हौसला बुदंल कर रही है। ऑस्ट्रेलिया भी उस हार को भुलाना चाहेगा।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने कहा कि यह वक्त उस हार के बारे में सोचने का नहीं है। इसकी बजाय टीम को एडिलेड की तरह वापसी करने की अपनी क्षमता पर ध्यान देना होगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 2021 में गाबा टेस्ट मैच में ऋषभ पंत और शुभमन गिल की शानदार पारियों के दम पर हार का मजा चखाया था। यह ऑस्ट्रेलिया की इस मैदान पर 1988 के बाद पहली हार थी।

अब दोनों टीमें 14 दिसंबर से फिर आमने-सामने आने वाली हैं। यह पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट है। दोनों टीमें अभी 1-1 मैच जीत कर बराबर हैं। ऐसे में तीसरा टेस्ट बहुत अहम माना जा रहा है। मिचेल मार्श ने तीसरे टेस्ट मैच से पहले प्रैक्टिस सेशन में कहा कि पहले क्या हुआ अभी हमारे पास उसके बारे में सोचने का समय नहीं है। अभी हम केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो वर्तमान में अहम हैं।

पर्थ में पहले टेस्ट मैच में हार के बाद हमने जिस तरह से वापसी की यह उसका एक उदाहरण है। इसलिए हम अपनी शैली की क्रिकेट खेलने पर ध्यान दे रहे हैं। मार्श ने अपनी फिटनेस के बारे में कहा कि मेरी पीठ में दर्द था लेकिन अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मार्श ने पहले दो टेस्ट मैच में बहुत अधिक गेंदबाजी नहीं की लेकिन उन्होंने कहा कि यह टीम की रणनीति का हिस्सा है।

मिचेल मार्श ने तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड की फिटनेस की स्थिति का स्पष्ट ब्यौरा नहीं दिया जो मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेले थे। उन्होंने गुरुवार को अभ्यास सत्र में गेंदबाजी भी नहीं की। उन्होंने कहा कि अब तक जोस का सवाल है तो वह ऐसा खिलाड़ी है जो परेशान नहीं होता और मैच में खेलने के लिए जो कुछ संभव है वह करेगा।

टीमें इस प्रकार हैं -

ब्रिस्बेन टेस्ट में भारत की संभावित प्लेइंग-11: यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा/रवचिंद्रन अश्वनि/वॉश ंगटन सुंदर , आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज.

ब्रिस्बेन के गाबा टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग क उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर) पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, जोश हेजलवुड

संजीव गोयनका ने केएल राहुल को नहीं किया रिटेन, अब बताया राहुल वाकई में टैलेंटेड

नई दिल्ली

आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपरजायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने केएल राहुल को रिटेन नहीं किया था। संजीव ने न ही उन्हें ऑक्शन में टीम में शामिल करने की कोशिश की थी। पिछली बार राहुल की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन खराब था, इस-ाकारण संजीव ने उन्हें फटकार भी लगा दी थी। हालांकि, ऑक्शन के कुछ दिन बाद संजीव ने कहा है कि राहुल टैलेंटेड हैं।

लखनऊ सुपरजायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने कहा, राहुल हमेशा से मेरी फैमिली की तरह रहे हैं और हमेशा रहने वाले है। उन्होंने लखनऊ सुपरजायंट्स की सिर्फ कप्तानी ही नहीं की है बल्कि उन्होंने परफॉर्म भी अच्छा किया है। मैं उनके लिए अच्छे फॉर्म के लिए शुभकामनाएं देता हूं। वह एक अच्छा इंसान है और अच्छी चीजें अच्छे इंसान के साथ होती है। उन्होंने कहा कि राहुल सच में टैलेंट-ेड है। मुझे उम्मीद है कि उनका टैलेंट टीम इंडिया के लिए जरूर काम आएगा। बता दें कि आईपीएल 2025 के लिए केएल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स ने टीम में शामिल किया है। षभ पंत के बाहर होने के कारण वह टीम की कमान भी संभाल सकते हैं। आईपीएल 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स की टीमः अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ट्रिस्टन स्टब्स, अविषेक पोरेल, मिशेल स्टार्क, केएल राहुल, हैरी ब्रूक, जैक फ्रेजर-मैकगर्क, टी नटराजन, करुण नायर, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, मोहित शर्मा का नाम शामिल है।

अल्लू की गिरफ्तारी के बाद भी पुष्पा-2 पर दिखी भीड़, कमाए 800 करोड़

मुंबई,

ह्यपुष्पा 2फिल्म के रिलीज के 9वें दिन हैदराबाद पुलिस ने फिल्म के लीड एक्टर अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों में भेज दिया, लेकिन इसके बाद भी इस एक्शन थ्रिलर के लिए क्रेज जरा भी कम नहीं हुआ है। बॉक्स ऑफिस पर ह्यपुष्पा 2ह्ल ह्यफायरह्ल बनकर बॉलीवुड से हॉलीवुड तक गदर मचाया हुआ है। इसकी छप्परफाड़ कमाई भी जारी है। अब तक 800 करोड़ कमा लिए। अल्लू अर्जुन का शुक्रवार को जेल जाना, फिर 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में एक्टर को भेजना, फिर हाईकोर्ट से जमानत और जमानत के बाद भी जेल में एक रात काटने वाले इस हाई बोल्टेज ड्रामे के बीच बॉक्स ऑफिस पर बुलेट ट्रेन से भी तेज दौड़ रही है। फिल्म ने 9वें दिन झन्नाटेदार कमाई की है। ह्यपुष्पा 2ह्ल ने 9वें दिन हिंदी में 27 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ ये फिल्म 9वें दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी फिल्म बन गई है।

सोनम बाजवा को साइन किया बागी 4 के लिए

मुंबई

पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा को अब बॉलीवुड की फिल्में मिलने लगी है। उन्हें फिल्म बागी 4 के लिए साइन किया गया है, जिसमें वह टाइगर श्रॉफ के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह निमार्ता साजिद नाडियाडवाला की एक्शन से भरपूर फिल्म होगी।

यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है, और फिल्म के प्रशंसकों को इस जोड़ी का इंतजार है। टाइगर श्रॉफ ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने सोनम बाजवा का बागी फ्रेंचाइजी में स्वागत किया। टाइगर ने कैप्शन में लिखा, रिबेल फैमिली के नए सदस्य का स्वागत! बागी यूनिवर्स में सोनम बाजवा को पाकर रोमांचित हूं। इसके बाद साजिद नाडियाडवाला ग्रैंडसन ने भी फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर की। उन्होंने लिखा, साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल यूनिवर्स से लेकर एक्शन पैक्ड बागी 4 तक, अब सोनम बाजवा ने शो में महफिल लूटने के लिए एंट्री कर ली है।

फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बागी 4 की शूटिंग शुरू हो चुकी है और सोनम बाजवा के जल्द ही सेट पर शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। फिल्म के निर्देशन का जिम्मा कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के प्रसिद्ध निर्देशक ए हर्षा ने लिया है, जिन्होंने बिरुगाली, चिंगारी और भजरंगी जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन किया है। बागी फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 2016 में रिलीज हुई थी, जिसमें टाइगर श्रॉफ, श्रद्धा कपूर और सुधीर बाबू ने अहम भूमिका निभाई थी। यह फिल्म तेलुगू फिल्म ह्यवर्षमह्ल का रीमेक थी। इसके बाद 2018 में ह्यबागी 2ह्ल आई, जो तेलुगू फिल्म ह्यक्षणमह्ल की रीमेक थी, और 2020 में ह्यबागी 3ह्ल रिलीज हुई, जिसमें टाइगर और श्रद्धा कपूर के साथ रितेश देशमुख भी थे। अब ह्यबागी 4ह्ल के साथ इस फ्रेंचाइजी को और भी नया रंग देने की कोशिश की जा रही है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कोल्डप्ले के साथ मंच पर प्रस्तुति देंगी जसलीन

मुंबई

कई लोकप्रिय गानों से अपने प्रशंसकों के दिलों पर राज करने वाली गीतकार और गायिका जसलीन रॉयल अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर कदम रखने जा रही हैं। खो गए हम कहां, लव यू जिंदगी, हीरिए, रांझा और साहिबा जैसे गानों से मंत्रमुग्ध करने वाली गीतकार ब्रिटिश रॉक बैंड कोल्डप्ले के म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स वर्ल्ड टूर के भारत चरण के दौरान अतिथि कलाकार के रूप में शामिल होंगी।

जसलीन अगले साल 18, 19 और 21 जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में और 25 व 26 जनवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कोल्डप्ले के साथ मंच पर प्रस्तुति देंगी। यह कोल्डप्ले का भारत में दूसरा दौरा है। इससे पहले बैंड ने 2016 में ग्लोबल सिटीजन फेस्टिवल के तहत मुंबई में परफॉर्म किया था। जसलीन ने इस मौके पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं कोल्डप्ले के साथ मंच साझा करने के लिए रोमांचित और सम्मानित

महसूस कर रही हूं। उनका संगीत मेरे लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहा है। मैं भारत के अविश्वसनीय प्रशंसकों के सामने परफॉर्म करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। कोल्डप्ले की सेट लिस्ट में उनके विश्व प्रसिद्ध गाने जैसे येलो, द साईंटिस्ट, फिक्स यू, विवा ला विडा, पैराडाइज, ए स्काई फुल ऑफ स्टार्स और एडवेंचर ऑफ ए लाइफटाइम शामिल हैं।

जसलीन रॉयल के भारतीय संगीत और कोल्डप्ले के अंतरराष्ट्रीय संगीत के संगम से दर्शकों के लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स वर्ल्ड टूर मार्च 2022 में शुरू हुआ था और अब तक यह यूरोप, उत्तरी अमेरिका, लैटिन अमेरिका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 1 करोड़ से अधिक टिकट बेचकर अब तक का सबसे ज्यादा भाग लेने वाला टूर बन गया है। यह टूर जनवरी और अप्रैल 2025 के बीच अबू धाबी, सोल और हांगकांग जैसे स्थानों पर भी आयोजित होगा।

उर्फी जावेद ने एक ब्रांड पर लगाए बदतमीजी के आरोप

मुंबई

27 साल की एक्ट्रेस उर्फी जावेद एक बार फिर खबरों में हैं, लेकिन इस बार उनके किसी आउटफिट ने लोगों का ध्यान नहीं खींचा है, बल्कि वो एक ब्रांड के साथ विवादों में घिर गई हैं। उर्फी जावेद ने टूथपेस्ट और ब्रश के एक ब्रांड पर उनके साथ बदतमीजी करने के आरोप लगाए हैं।

सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद ने सोशल मीडिया पर ब्रांड के पीओसी (वो इंसान जिसके साथ शूट के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया जाता है) के साथ अपनी बातचीत का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा कि उन्होंने सारी हदें पार कर दी। उन्होंने ब्रांड की तरफ से आए ईमेल का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है.एक्ट्रेस द्वारा शेयर किए गए पोस्ट में देखा जा सकता है कि ब्रांड की तरफ से उन्हें एक एड फिल्म के लिए अप्रोच किया गया। ब्रांड के लोग उर्फी से कहते हैं कि उनके पास एक्ट्रेस के लिए एक स्क्रिप्ट है, लेकिन क्या वो एड के लिए स्क्रीन पर स्ट्रिप कर सकती हैं। इस सवाल पर उर्फी जावेद का गुस्सा फूट पड़ा। इस सवाल के साथ उन्होंने स्क्रीन शॉट

शेयर करते हुए लिखा कि इस बार इस ब्रांड ने सारी हदें पार कर दीं। वो आगे लिखती हैं, ह्यइस ब्रांड ने सारी लाइन क्रॉस कर दी। इतने सालों के एक्सपीरीयंस के बावजूद आजतक ऐसा कोई ब्रांड नहीं मिला है जिसने इस तरह की कोई हरकत की हो। मेरे साथ आजतक इतना गंदा अनुभव नहीं हुआ।

उर्फी जावेद के आरोपों के बाद ब्रांड ने भी सामने आकर अपनी सफाई पेश की।उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ह्यकल एक पब्लिक फिगर ने अपने सोशल मीडिया पर कई स्क्रीनशॉट शेयर किए।हम इस बात को साफ कर देना चाहते हैं कि कभी भी हमारा मकसद किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था। हम सिर्फ उनके साथ कोलैब्रोरेट करना चाहते थे।हम इन बातों पर तुरंत जवाब देना चाहते हैं, लेकिन हम कल 12-12-2024 को अपना पक्ष रखेंगे।ह्ल बता दें कि उर्फी जावेद आए दिन खबरों में बनी रहती हैं। वो कभी अतरंगी फैशन सेंस तो कभी किसी ना किसी विवाद के चलते सुर्खियों में छाई रहती हैं।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दशार्ये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
भगवानपुर

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतु कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधान कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल
जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर,
हरिद्वार
मो. 9219141431

किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादकः अमित कुमार